हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 15 देहरादून, शनिवार, 01 जुलाई, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

टीम भावना से G 20 का सम्पन्न हुआ यादगार आयोजन : बंशीधर तिवारी

3

मुख्यमंत्री ने प्रदान किया साहित्यकारों को प्रतिष्ठित उत्तराखण्ड साहित्य गौरव सम्मान

राज्य सरकार भाषा संस्थान की स्वायत्तता को बरकरार रखते हुए इसके विकास के लिए करेगी हर सम्भव कार्य : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 1 जुलाई , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखण्ड भाषा संस्थान द्वारा आयोजित साहित्य गौरव सम्मान समारोह तथा लोक भाषा सम्मेलन में 09 साहित्यकारों को उत्तराखण्ड गौरव सम्मान से सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि सम्मानित हुये साहित्यकार अपनी साहित्यिक कृतियों से हमारी लोक भाषा का मान सम्मान बढ़ाते रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी वर्षों में भाषा संस्थान अपनी साहित्यिक एवं भाषाई गतिविधियों को व्यापक स्तर प्रदान करेगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा जिन साहित्यकारों को प्रतिष्ठित उत्तराखण्ड साहित्य गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया उनमें संतोष कुमार निवारी को चन्द्रकुंवर बर्त्वाल पुरस्कार, अमृता पाण्डे को शैलेश मटियानी पुरस्कार, प्रकाश चन्द्र तिवारी को डॉ. पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल पुरस्कार, दामोदर जोशी 'देवांशु' को भैरव दत्त धूलिया पुरस्कार, राजेन्द्र सिंह बोरा उर्फ त्रिभुवन गिरी को गुमानी पंत पुरस्कार, नरेन्द्र कठैत को भजन सिंह 'सिंह' पुरस्कार, श्री महावीर रवांल्टा को गोविन्द चातक पुरस्कार, गुरूदीप को सरदार पूर्ण सिंह पुरस्कार एवं राजेश आनन्द 'असीर' को प्रो. उन्नवान चिश्ती पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सभी सम्मानित साहित्यकारों को अंगवस्त्र, प्रसस्ति पत्र एवं 01 लाख की सम्मान राशि प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि ऐसे आयोजनों से प्रदेश में स्थानीय भाषाओं के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में बोली जाने वाली बोलियों व उनमें रचे जा रहे साहित्य को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि देश के अनेक साहित्यकारों ने हिन्दी को विश्व पटल पर स्थापित करने में महान योगदान दिया है। हिंदी एक उदार, ग्रहणशील और सहिष्णु भाषा तो है ही, ये भारत की राष्ट्रीय चेतना की संवाहिका भी है। यह हमारी परंपराओं और हमारी विरासत का बोध कराने वाला एक सतत अनुष्ठान है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हिन्दी का विकास किसी अन्य भाषा या बोली की कीमत पर नहीं हो रहा है बल्कि आज भारत की सारी भाषाएं एक साथ आगे बढ़ रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में बच्चों को शुरूआती शिक्षा मातृभाषा में देने का प्राविधान किया गया है। इससे यह उम्मीद जगती हैं कि उत्तराखण्ड जैसे पर्वतीय प्रदेश में हिन्दी के साथ-साथ गढ़वाली, कुमाउनी, जौनसारी आदि बोलियों का भी विकास होगा। हमारे यहां गढ़वाली, कुमाउनी और जौनसारी बोलियां बोली जाती है परन्तु हमारे प्रदेश का हिन्दी के साथ गहरा लगाव है। उन्होंने इसे सुखद संयोग बताया कि साहित्य गौरव सम्मान पाने वाले साहित्यकारों में वे साहित्यकार भी शामिल हैं जो अनेक विशिष्ट बोलियों में रचना कर्म कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जो समाज अपनी भाषा और बोलियों का सम्मान नहीं करता वह अपनी प्रतिष्ठा गवां देता है। अपनी भाषा व बोलियों को बचाने और उन्हें बढ़ाने के कार्य में आम लोगों की व्यापक सहभागिता की जरूरत है। इस महत्वपूर्ण कार्य को हम सभी को अपने घर के भीतर से आरम्भ करना होगा। विशेष रूप से बच्चों के साथ सम्वाद करते समय अपनी मातृ भाषा और आम बोलियों का प्रयोग किया जाना चाहिए। वे स्वयं अपने बच्चों को अपनी भाषा व बोली सिखाने का प्रयास कर रहे है। इसमें सभी को सामुहिक रूप से प्रयास करना होगा। हमारी वैचारिक निष्ठा हिन्दी के प्रति रही है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस दिशा में प्रभावी प्रयास किये जा रहे है। आज आधिकारिक मंचों से लेकर शिक्षा तक में हिंदी को अभूतपूर्व स्थान दिया जा रहा है। मेडिकल और इंजिनयरिंग जैसे विषयों की पढ़ाई अब हिंदी में होना कोई स्वप्न नहीं है जबकि कुछ वर्ष पूर्व तक ये महज एक कल्पना थी। हिंदी के गौरव को बनाए रखना हम सभी का दायित्व है विश्वास व्यक्त किया कि हमारी युवा पीढ़ी हिंदी को एक नवीन स्तर देने का कार्य करेगी। हिंदी के विकास के लिए जब हम सभी मिलकर कार्य करेंगे, तभी हिन्दी को अपेक्षित सम्मान प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से लोक भाषाओं पर विद्वान साहित्यकारों के मध्य विचार-विमर्श किया जाएगा। जिससे हिंदी व अन्य लोक भाषाओं का संरक्षण, विकास और उत्थान हो सके। यहां प्राप्त साहित्यकारों के महत्वपूर्ण सुझावों को संस्थान अपनी भविष्य की कार्ययोजना में अवश्य सम्मिलित करेगा। अपनी स्थापना के बाद से उत्तराखण्ड भाषा संस्थान ने कई महत्वपूर्ण कार्य किये हैं। अब सरकार ने हिन्दी अकादमी, पंजाबी अकादमी, उर्दू अकादमी और लोक भाषा बोली अकादमी को एक छत के नीचे लाते हुए उत्तराखण्ड भाषा संस्थान को पुर्नगठित किया है। हमारी सरकार भाषा संस्थान की स्वायत्तता को बरकरार रखते हुए इसके विकास के लिए हर सम्भव कार्य करेगी। उन्होंने साहित्यकारों, भाषाविदों, शोधार्थियों से अनुरोध किया कि वे भाषा संस्थान के साथ मिलकर भाषाई विकास के लिए कार्य करें और इस संस्थान को देश के प्रतिष्ठित संस्थान के तौर पर विकसित करने के लिए मिलकर प्रयास करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड शैक्षिक व सांस्कृतिक रूप से प्रबुद्ध लोगों की भूमि है इसी के अनुरूप हमारे भाषा संस्थान की पहचान भी पूरे देश में होनी चाहिए। इसके लिये सामुहिक सहयोग एवं प्रयासों की भी उन्होंने जरूरत बतायी है। उन्होंने कहा कि हमने उत्तराखण्ड को देश के अग्रणी राज्यों में सम्मिलित करने के लिये विकल्प रहित संकल्प के साथ आगे बढ रहे है। सभी संचालित विकास योजनाओं का लाभ समय पर सभी को मिले इसका भी हमारा संकल्प है।मुख्यमंत्री ने अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्व विधालय वर्धा के पूर्व कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र द्वारा उत्तराखण्ड में समान नागरिक संहिता कानून बनाये जाने की दिशा में राज्य सरकार के सकारात्मक प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड सम्पूर्ण देश को शुद्ध जल, हवा व पर्यावरण प्रदान करने वाला प्रदेश है। यह ऋषियों मुनियों, तपस्वियों, महान साहित्यकारों व प्रबुद्धजनों की भूमि रही है। ऋषियों मुनियों द्वारा मंत्रो व ऋचाओं के जो शब्द यहां रचे गये वे कभी समाप्त नहीं होते। उन्ही की ऊर्जा का प्रतिफल है कि हमने इस दिशा में पहल की है।मुख्यमंत्री ने कहा कि समान नागरिक संहिता के लिये हमने 12 फरवरी, 2022 को जनता से वादा किया था कि हम समान नागरिक संहिता लायेंगे। उत्तराखण्ड देवभूमि है, गंगा-यमुना का प्रदेश है, वनों पर्वतों से आच्छादित है। दो-दो अर्न्तराष्ट्रीय सीमा से लगा है। धर्म, आध्यात्म एवं संस्कृति का केन्द्र है। राज्य में कोई भी किसी पंथ, समुदाय, धर्म, जाति का हो सबके लिये एक समान कानून हो, इसके प्रयास किये गये है। उन्होंने कहा कि संविधान निर्माताओं में विद्धान लोग थे उन्होंने इसमें इसका प्राविधान किया है। उत्तराखण्ड की जनता ने किसी राजनैतिक दल को लगातार दूसरी बार सरकार बनाने का अवसर प्रदान कर, इस पर 2022 में अपनी मुहर लगाई। समान नागरिक संहिता लागू करने के लिये गठित समिति द्वारा डेढ़ साल में 02 लाख से भी ज्यादा लोगों के सुझाव, विचार लिये। सभी संगठनों, संस्थाओं, स्टेट होल्डरों से वार्ताकर इसका ड्राफ्ट लगभग तैयार किया जा रहा है। हमें जैसे ही यह ड्राफ्ट मिलेगा उसे देवभूमि में लागू करने का कार्य करेंगे। देश में एक विधान एक निशान एक प्रधान के साथ एक कानून की दिशा में हम आगे बढेंगे। इस दिशा में देश के अन्य राज्य भी आगे आयेंगे।

उन्होंने कहा कि स्वामी दयानन्द सरस्वती ने हिंदी की महानता से प्रभावित होकर कहा था कि हिंदी के द्वारा सारे भारत को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है। एक भाषा के लिए लोकप्रियता और स्वीकारिता का इस से बड़ा मापक क्या होगा कि, भारत जैसे विशाल देश में अनेकों क्षेत्रीय भाषाएं और बोलियां होने के बावजूद हिन्दी किसी सदानीरा नदी की भांति स्वछंदता से प्रवाहित होती है।मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की विभिन्न भाषाओं के साथ सामंजस्य बिठा लेने की जितनी प्रबल शक्ति हिंदी में है उतनी किसी दूसरी भाषा में नहीं है। आज विश्व, हिंदी के सामर्थ को, इसके महात्म्य को पहचान रहा है और दुनिया के 100 से अधिक देशों में हिन्दी की स्वरलहरियां गूंज रही हैं। वर्ष 1977 में संयुक्त राष्ट्र संघ के अधिवेशन में जब भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने हिंदी में भाषण दिया था तो वो हम सभी के लिए एक ऐतिहासिक क्षण था। मुख्यमंत्री ने अटल की कविता 'गूंजी हिन्दी विश्व में, स्वप्न हुआ साकार, राष्ट्र संघ के मंच से, हिन्दी का जयकार का उल्लेख कर कहा कि अटल हिंदी के बड़े उपासक थे और उन्होंने आजीवन इस भाषा की सेवा करने, इसको समृद्ध बनाने का प्रयास किया। आज हमें गर्व है कि उस महान हुतात्मा के दिखाए मार्ग पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ कर, हिंदी का वैश्विक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। वर्तमान में हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व भर में हिन्दी का माथा ऊँचा कर रहे हैं। भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी जी के बाद प्रधानमंत्री मोदी ही दूसरे ऐसे नेता हैं जो वैश्विक संस्थाओं को हिन्दी में सम्बोधित करते हैं।

- जो समाज अपनी भाषा और बोलियों का सम्मान नहीं करता वह अपनी प्रतिष्ठा खो देता है-मुख्यमंत्री
- हिन्दी हमारी परंपराओं और हमारी विरासत का बोध कराने वाला एक सतत अनुष्ठान है।
- उत्तराखण्ड शैक्षिक व सांस्कृतिक रूप से प्रबुद्ध लोगों की भूमि
- समान नागरिक संहिता लागू करने के लिये गठित समिति द्वारा डेढ़ साल में 02 लाख से भी ज्यादा लोगों के लिये सुझाव और विचार
- समान नागरिक संहिता का ड्राफ्ट मिलते ही उसे देवभूमि में किया जायेगा लागू

संविधान की आठवीं सूची में राज्य की समृद्ध भाषा बोलियों को स्थान मिले इसके भी किये जायेंगे प्रयास-भाषा मंत्री

इस अवसर पर भाषा विभाग के मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि साहित्य सृजन, समृद्ध लोक संस्कृति उत्तराखण्ड की परम्परा है। इस धरती ने साहित्यकारों को साहित्य सृजन की प्रेरणा देने का कार्य किया है। यहां का शांत एवं आध्यात्मिक वातावरण साहित्य एवं शिक्षा के लिये अनुकूल रहा है। राज्य में लोक भाषाओं को बढावा देने के लिये स्कूलों में इसे अनिवार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि बढते शहरीकरण के इस दौर में लोगों को अपनी मातृभाषा के प्रति लगाव कुछ कम हुआ है। इमें इस लगाव को बढावा देने के प्रयास करने होंगे। यह हम सभी के सामूहिक प्रयासों से ही सम्भव हो सकेगा।

उन्होंने कहा कि संविधान की आठवीं सूची में राज्य की समृद्ध भाषा बोलियों को स्थान मिले इसके भी प्रयास किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड भाषा संस्थान नये प्रयोग एवं सुधारात्मक प्रयासों से विभिन्न भाषाओं के साहित्यकारों को आगे बढाने का प्रयास करेगा। उन्होंने कहा कि अपनी भाषा बोली व संस्कृति को जिन्दा रखना बडी बात है।

उत्तराखण्ड साहित्य गौरव सम्मान भाषा एवं साहित्य सृजन को बढावा देने की दिशा में है बडी पहल-प्रो. गिरीश्वर मिश्र

अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्व विधालय वर्धा के पूर्व कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि भाषा के कारण ही हमारा अस्तित्व है। भाषा का हमारे जीवन में दखल रहता है।जीवन का स्पंदन है भाषा। उन्होंने कहा कि आज के दौर में भाषा के प्रति जो गम्भीरता हमारे व्यवहार में होनी चाहिए, उसमें कमी आ रही है। हमें इस दिशा में सोचना होगा। उन्होंने उत्तराखण्ड साहित्य गौरव सम्मान की पहल की सराहना करते हुये इसे भाषा एवं साहित्य सृजन को बढावा देने की दिशा में बडी पहल बताया। उन्होंने कहा कि हमारे मनीषियों ने किसी भी शुभकार्य में मंगलाचरण की परम्परा को प्रमुखता दी है, इस प्रकार सबके मंगल की कामना हमारी परम्परा है। भाषा जोडने का कार्य तो करती ही है, अनेकता में एकता के भाव को भी इससे बढावा मिलता है। भाषा मन, विचार और कर्म को एक साथ चलाने का भी माध्यम है। प्रो. मिश्र ने उत्तराखण्ड में समान नागरिक संहिता कानून बनाये जाने के लिये मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के प्रयासों की सराहना करते हुये इसे सबको साथ लेकर चलने की पहल बताया।

मनुष्य और जीवों में शब्द का ही अंतर है। मनुष्य अकेली प्रजाति है जो कल्पना कर सकती है-अनिल रतूडी

साहित्यकार एवं पूर्व पुलिस महानिदेशक अनिल रतूडी.ने इस अवसर पर भाषा साहित्य एवं संस्कृति के एतिहासिक एवं सांस्कृतिक पहलुओं पर विचार व्यक्त करते हुये कहा कि शब्द को ब्रह्म तथा ओम् शब्द को सृष्टि के अन्यकार दूर करने वाला बताया बया है। शब्द से ही साहित्य और भाषा का विकास हुआ है। मनुष्य और जीवों में शब्द का ही अंतर है। मनुष्य अकेली प्रजाति है जो कल्पना कर सकती है। उन्होंने कहा कि कुमाउ एवं गढवाल राजवंशो द्वारा अपने शासनकाल में कुमाउ एवं गढवाली को अपनी राजभाषा बनाया गया था। इसके कई प्रमाण मिलते हैं। उन्होंने अपनी भाषा, बोली और संस्कृति को बढावा देने के प्रयासों की भी जरूरत बतायी। इससे राज्य निर्माण की अवधारणा साकार होने के साथ ही सांस्कृतिक मूल्यों के बेहतर संरक्षण में भी मदद मिलेगी। उत्तराखण्ड भाषा संस्थान की निदेशक स्वाति एस. भदौरिया ने कहा कि उत्तराखंड भाषा संस्थान राज्य सरकार का एक ऐसा प्रयास है जिसके माध्यम से उत्तराखंड में भाषाओं के संरक्षण, उनके विस्तार और प्रोत्साहन संबंधी कार्यों को संपादित किया जा रहा है। अपने स्थापना के बाद से भाषा संस्थान ने विभिन्न शोध परियोजनाओं, भाषा एवं साहित्यिक संगोष्ठियों तथा सम्मान कार्यक्रमों के माध्यम से साहित्यकारों और जनसामान्य तक पहुंचने का प्रयास किया है। उत्तराखंड राज्य अनेक भाषाओं, उपभाषाओं और बोलियों का प्रयोग करने वाला ऐसा क्षेत्र है जहां विपुल मात्रा में साहित्य रचा गया है और वर्तमान में भी रचा जा रहा है। उपर्युक्त के दृष्टिगत भाषा संस्थान सरकार की नीतियों के अनुरूप विभिन्न भाषाओं, उपभाषाओं और बोलियों के साहित्य को प्रोत्साहित करने के लिए सतत रूप से प्रयासरत है। इस अवसर पर विधायक खजान दास ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में विधायक मोहन सिंह बिष्ट, प्रमोद नैनवाल, सचिव भाषा विनोद प्रसाद रतूडी सहित बडी संख्या में साहित्यकार एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे। संचालन साहित्यकार गणेश खुगशाल गणी ने किया।

जानिए जुलाई में कब और कौन से ग्रह अपनी राशि परिवर्तन करेंगे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 जुलाई , वैदिक ज्योतिष में ग्रहों का राशि परिवर्तन बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। सभी 9 ग्रहों में कुछ को छोड़कर बाकी सभी ग्रह हर एक माह में राशि परिवर्तन करते हैं। गुरु, शनि और राहु-केतु के अलावा बाकी सभी ग्रह हर महीने एक से दूसरी राशि में यात्रा करते हैं। जब भी ग्रहों का राशि परिवर्तन होता है तो इसका शुभ और अशुभ प्रभाव सभी राशियों के ऊपर होता है। ऐसे में आइए जानते हैं जुलाई के महीने में कब और कौन से ग्रह अपनी राशि परिवर्तन करेंगे और इस राशियों के ऊपर कैसा प्रभाव पड़ेगा।

जुलाई में चंद्रमा का गोचर

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार चंद्रमा हर सवा दो दिन में राशि बदलते हैं। ऐसे में जुलाई के महीने में चंद्रमा का राशि परिवर्तन हर सवा दो दिन बाद होगा।

सूर्य का गोचर

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य हर एक माह में राशि परिवर्तन करते हैं। शास्त्रों में सूर्य के राशि परिवर्तन को सूर्य संक्रांति के नाम से जाना जाता है। ऐसे में 16 जुलाई को सूर्य राशि परिवर्तन कर्क राशि में होगा। कर्क राशि पर चंद्रमा का आधिपत्य हासिल है।

मंगल का गोचर

01 जुलाई को साहस और पराक्रम के कारक ग्रह माने जाने वाले मंगल अपनी राशि बदलेंगे। मंगलदेव 10 मई से कर्क राशि में है और अब ये 1 जुलाई को सूर्यदेव की राशि सिंह में प्रवेश करेंगे।

बुध का गोचर

वाणी और व्यापार के कारक ग्रह बुध 8 जुलाई को दोपहर 12 बजकर 5 मिनट पर चंद्रमा की राशि कर्क राशि में गोचर करेंगे। बुध ग्रह अभी मिथुन राशि में मौजूद हैं।

गुरु का गोचर

इस माह गुरु का गोचर नहीं होगा। आपको बता दें कि देवगुरु बृहस्पति बीते 22 अप्रैल को अपनी स्वयं की राशि मीन की यात्रा को विराम देते हुए मेष राशि में प्रवेश किया था और तभी से यह मेष राशि में गोचर हैं। फिर 27 अप्रैल 2023 को उदय हुए थे। वहीं 28 मार्च को मीन राशि में फिर से अस्त हो गए थे। अब इसके बाद 4 सितंबर को शाम करीब 5 बजे वक्री अवस्था में आएंगे।

शनि गोचर

शनि सभी ग्रहों में सबसे मंद गति से चलने वाले ग्रह माने जाते हैं। शनि अभी कुंभ राशि में हैं। इस साल शनि 17 जनवरी को कुंभ राशि में प्रवेश किया था फिर 17 जून को वक्री हुए हैं। अब इसके बाद 4 नवंबर 2023 को शनिदेव मार्गी हो जाएंगे।

राहु-केतु

राहु और केतु हमेशा वक्री चाल से ही चलने वाले ग्रह माने जाते हैं। इस वर्ष राहु 30 अक्तूबर 2023 को उल्टी चाल से चलते हुए मेष राशि से निकलकर मीन राशि में प्रवेश करेंगे। वहीं केतु तुला राशि की यात्रा को विराम देते हुए कन्या राशि में प्रवेश करेंगे।

जुलाई में ग्रहों के गोचर का प्रभावशुभ- वृषभ ,मिथुन, धनु और कुंभअशुभ- मेष, कन्या और तुलासामान्य- कर्क, सिंह, वृश्चिक,मकर और मीन

आपके कोक में मौजूद ये चीज कैंसर का पैदा कर रहा है खतरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 जुलाई , गर्मी के मौसम में प्यास बुझाने के लिए ज्यादातर लोग कोल्ड ड्रिंक की तरफ रुख करते हैं। लेकिन उनके हाथ में मौजूद कोक का केन उनकी सेहत के लिए काफी खतरनाक है। । विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे लेकर चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा है कि कोका कोला समेत अन्य पेय फूड आइटम्स को मीठा करने वाला आर्टिफिशियल स्वीटनर एस्पार्टेम से कैंसर होने का जोखिम है।

एस्पार्टेम क्या है

एस्पार्टेम का उपयोग कोक में दशकों से किया जा रहा है। इतना ही नहीं कई देशों में तो इसका इस्तेमाल बड़े पैमाने पर किया जाता है।यह चीनी के विकल्प के तौर पर लिया जाता है।

कोक समेत कई फूड आइटम्स को मीठा करने का काम करता है। एस्पार्टेम एक तरह का आर्टिफिशियल स्वीटनर है।यह सुक्रोज (सामान्य चीनी) से लगभग 200 गुना अधिक मीठा है। अब इसे डब्ल्यूएचओ की कैंसर अनुसंधान यूनिट की ओर से कार्सिनोजेनिक घोषित करने की तैयारी है।

कैसे बनता है एस्पार्टेम

कोका कोला के साथ मार्स एक्स्ट्रा च्यूइंग गम, कुश स्नैपल ड्रिंक समेत कई चीजों में इसका इस्तेमाल किया जाता है। एस्पार्टेम दो स्वीटनर अमीनो एसिड एसपारटिक एसिड और फेनिलएलनिन मिलाकर बनाया जाता है। हालांकि इस स्वीटनर की सुरक्षा हमेशा विवादों में रही है। इसकी खोज 1965 में केमिस्ट जेम्स एम श्लैटर ने की थी। इसे चीनी के विकल्प के तौर पर पेश किया था।अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने 1981 में कुछ सूखे खाद्य पदार्थों में और 1983 में कार्बोनेटेड पेय पदार्थों में उपयोग के लिए एस्पार्टेम को मंजूरी दे दी।

एस्पार्टेम के अलावा ये भी हैं चीनी के विकल्प जो हैं खतरनाक

मई में, WHO ने आर्टिफिशियल स्वीटन के संबंध में एक हेल्थ गाइडलाइंस जारी किया और शरीर के वजन को कंट्रोल करने या गैर संचारी रोगों(NCD)के जोखिम को कम करने के लिए एनएसएस के उपयोग के खिलाफ सिफारिश की।एस्पार्टेम के अलावा, अन्य सामान्य एनएसएस मिठास में एसेसल्फेम के, एडवांटेम, साइक्लामेट्स, नियोटेम, सैकरिन, सुक्रालोज़, स्टीविया और स्टीविया डेरिवेटिव शामिल हैं।WHO की इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (IARC) जुलाई में एक बैठक आयोजित करेगी।जहां पहली बार एस्पार्टेम को उस लिस्ट में डाला जाएगा जिससे कैंसर का खतरा होता है।

ब्लड ग्रुप देख कर कोरोना बनाता है शिकार ! इस Blood Type को ज्यादा खतरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 जुलाई , यह विचार महामारी की शुरुआत में सामने आया था कि कुछ लोग दूसरों की तुलना में अधिक बीमार क्यों हो जाते हैं। कोरोना उनपर ज्यादा प्रभाव क्यों डालता है। इसे लेकर वैज्ञानिकों ने शोध किया जिसमें पता चला कि टाइप A ब्लड वाले लोगों को टाइप O वाले लोगों की तुलना में अधिक जोखिम हो सकता है।जर्नल ब्लड में प्रकाशित नया शोध इस धारणा की पुष्टि करता है।हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में पैथोलॉजी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सीन स्टोवेल के अनुसार, 'टाइप A ब्लड वाले लोग - जो कि अमेरिका की आबादी का लगभग एक तिहाई है को टाइप O ब्लड वाले लोगों (लगभग आधे अमेरिकी) की तुलना में नोवेल कोरोनो वायरस से संक्रमण का खतरा 20% से 30% अधिक है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि हर किसी को इस वायरस से खतरा है। अमेरिकी सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों की ओर से जुटाए गए डेटा के मुताबिक अधिकांश अमेरिकियों को यह बीमारी है। भले ही वो इससे अनजान हो।

कौन से कारण COVID होने के जोखिम को बढ़ा सकते हैं

कई ऐसे कारण हैं जो व्यक्ति पर कोविड के असर को दिखाते हैं। इसमें यह भी शामिल है कि किसी की इम्युन सिस्टम कितना काम करता है। डायबिटीज, मोटापा और अन्य स्वास्थ्य स्थिति है जो इस बीमारी की ओर ले जाती है। जैसे ही इससे पीड़ित लोग वायरस के संपर्क में आ जाता हैं वो इसके शिकार आसानी से बन जाते हैं।

ब्लड ग्रुप भी एक वजह

नए शोध में पता चला है कि ब्लड ग्रुप की वजह से भी लोग कोरोना के शिकार जल्द होते हैं। यदि ग्रुप A वाला शख्स और ग्रुप O एक साथ बैठे हैं। वहां पर कोई कोरोना से पीड़ित शख्स ने खास दिया तो ग्रुप A के बीमार होने की संभावना ज्यादा अधिक होती है। जबकि ग्रुप O इससे फाइट कर सकता है। रक्त का प्रकार किसी की संवेदनशीलता में कैसे भूमिका निभाता है, भविष्य में फिर से प्रासंगिक हो सकता है। यह समझने के लिए और अधिक शोध किए जाने की आवश्यकता है कि क्या कोविड रक्त प्रकार बी और/या एबी को प्राथमिकता देता है।

अन्य बीमारियों को लेकर भी सच आ सकता है सामने

वैज्ञानिकों को यह समझने में भी मदद कर सकता है कि कैसे और क्यों हैजा और मलेरिया जैसे अन्य वायरस भी कुछ विशेष प्रकार के रक्त को पसंद करते हैं।

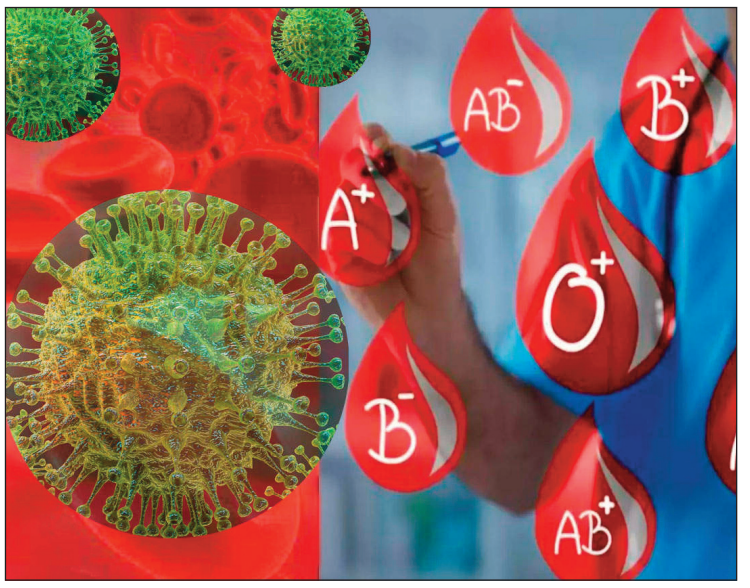

यूसीसी ड्राफ्ट और सरकार दोनों पर नेता विपक्ष यशपाल आर्य का पलटवार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 1 जुलाई , एक तरफ उत्तराखंड के सीएम धामी इंतज़ार कर रहे हैं कि ड्राफ्ट कमिटी का मसौदा उनकी मेज़ तक पहुंचे और राज्य सरकार यूसीसी पर अगला कदम बढाए। दूसरी तरफ देश भर की नज़र देवभूमि पर लगी है कि आखिर इस ड्राफ्ट में ऐसा क्या है जो ख़ास होगा। इसी बीच उत्तराखंड के कद्दावर लीडर और नेता विपक्ष यशपाल आर्य ने मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने सीधे सीधे भाजपा सरकार की मंशा पर ही सवाल खड़ा कर दिया है।

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि भारत के संविधान में आस्था रखने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए सवाल यह नहीं होना चाहिए कि समान नागरिक संहिता (यू सी सी) होनी चाहिए या नहीं । उन्होंने कहा कि असली सवाल तो यह है कि समान नागरिक संहिता कैसे कब और किस सिद्धांत के आधार पर लागू की जाए। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि , अंबेडकर के अलावा नेहरू , लोहिया आदि द्वारा समान नागरिक संहिता को नीति निर्देशक तत्वों में रखने के पीछे मंशा यह थी कि , इन्हें लागू करना देश के लिए एक लक्ष्य होगा।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि , पिछले सप्ताह से देश की जनता से समान नागरिक संहिता पर राय मांगी जा रही है। जबकि इससे पहले भी मोदी जी के नेतृत्व वाली भाजपा की केंद्र सरकार द्वारा जस्टिस चौहान की अध्यक्षता में गठित विधि आयोग ने भी नवंबर 2016 में इसी मुद्दे पर जनता की राय मांगी थी।तब बिधि आयोग ने रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा था कि , अभी सभी समुदायों के अलग-अलग पारिवारिक कानून के बदले एक संहिता बनाना न तो जरूरी है और न ही वांछित

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि , पांच साल पहले भाजपा सरकार द्वारा गठित बिधि आयोग की इस रिपोर्ट के बाद भी 2023 में दोबारा इसी प्रक्रिया को दोहराने से सरकार की मंशा में कहीं न कहीं संदेह होता है कि पिछली रिपोर्ट भाजपा की राजनीति के लिए मुफीद नहीं थी। यशपाल आर्य ने कहा कि , भारत जनसंख्या की दृष्टि से दुनिया का सबसे बड़ा देश है जिसमें न केवल कई धर्मों और संप्रदायों के लोग निवास करते हैं बल्कि एक धर्म को मनाने वाले हर सम्प्रदाय के शादी , तलाक , उत्तराधिकार और पारिवारिक सम्पति के बंटवारे के परंपरागत तरीके भी अलग-अलग हैं। उन्होंने कहा कि हिंदुओं में ही पितृ और मातृसत्तात्मक समाजों में अलग अलग व्यावथाएँ हैं तो देश में निवास करने वाली लगभग 12 प्रतिशत जनजाति में तो हर जनजाति के इन विषयों में अलग-अलग व्यवस्थाएं हैं।

यशपाल आर्य ने कहा कि अभी भी देश में स्पेशल मैरिज एक्ट जैसा कानून है जिसके तहत किसी भी धर्म या सम्प्रदाय के जोड़े शादी रजिस्टर्ड कर सकते हैं। लेकिन इस कानून के तहत बहुत ही कम जोड़े अपने शादियों को रजिस्टर्ड करते हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अभी जब हम देश के सबसे बहुसंख्यक धर्म हिंदु के बिभिन्न संप्रदायों को ही एक पारिवारिक कानून के लिए राजी नही कर पाए हैं तो फिर सरकार द्वारा देश में बहुसंख्यक समाज के पारिवारिक कानूनों को अल्पसंख्यकों पर थोपने के प्रचार की मंशा समझ से परे है। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि, समान नागरिक संहिता के सवाल पर एक नया बखेड़ा शुरू करने की बजाय बेहतर होगा अगर मोदी सरकार अपने ही द्वारा नियुक्त किए पिछले विधि आयोग की सिफारिशों को स्वीकार करते हुए सभी समुदायों के पारिवारिक कानूनों में तर्कसंगत और संविधान सम्मत बदलाव करने की शुरूआत करे।

टीम भावना से G 20 का सम्पन्न हुआ यादगार आयोजन : बंशीधर तिवारी

■ वित्त मंत्री डॉ0 प्रेम चन्द अग्रवाल ने जी-20 में सम्मिलित अधिकारियों तथा कर्मचारियों को सम्मानित किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 1 जुलाई , वित्त मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने जी-20 में सम्मिलित अधिकारियों तथा कर्मचारियों को धन्यवाद करते हुए कहा कि आप सभी के अथक प्रयास से बहुत ही कम समय में हम जी-20 का सफल आयोजन कर पाये हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्री का धन्यवाद करते हुए कहा कि प्रदेश को जी-20 की तीन बैठकों (एक रामनगर तथा दो ऋषिकेश में) के आयोजन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मंत्री ने कहा कि अधिकारियों के कुशल नेतृत्व तथा कर्मचारियों के उत्कृष्ठ कार्य एवं तत्परता के परिणामस्वरूप हम जी-20 जैसे अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों का सफल नेतृत्व कर पाये हैं। उन्होंने कहा कि जी-20 डेलिगेट्स के जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर स्वागत से लेकर श्री गंगा आरती तक का कार्यक्रम बहुत ही अद्भुत एवं स्मरणीय रहा। मंत्री ने कहा कि जी-20 के दौरान सड़क मार्ग, पेयजल सुविधा, लाईट, सीवर लाईन एवं सौन्दर्यीकरण का जो भी कार्य किया गया वह बहुत ही सराहनीय है। उन्होंने कहा कि श्रीगंगा आरती के आयोजन को लेकर त्रिवेणी घाट के सौन्दर्यीकरण का कार्य अद्भुत रहा। मंत्री ने अधिकारियों तथा कर्मचारियों को सम्मानित करते हुए कहा कि यदि इच्छाशक्ति हो तो अल्प समयावधि में भी अच्छे से अच्छा आयोजन सफल बनाया जा सकता है। उन्होंने स्थानीय निवासियों तथा पर्यटकों से अनुरोध किया कि जी-20 के दौरान किया गया सौन्दर्यीकरण को बनाये रखना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है।

जिलाधिकारी ने कहा कि मंत्री जी ने अधिकारी/कर्मचारियों को सम्मानित तथा प्रोत्साहित किया है जिससे सभी का मनोबल बढ़ा है। उन्होंने कहा कि आगे यही प्रयास रहेगा कि जो कार्य किए गए है उन कार्यों का ठीक प्रकार से रख-रखाव हो तथा साफ-सफाई के कार्य ठीक प्रकार से रहे। आगे भी टीम भावना से कार्य करने का प्रयास करेंगे।उपाध्यक्ष एमडीडीए/महानिदेशक सूचना ने कहा कि सभी विभाग टीम भावना से कार्य करते हुए आगे बढ़े तथा एयरपोर्ट से लेकर देहरादून, ऋषिकेश, लक्ष्मण झूला आदि सभी क्षेत्रों में सभी विभागों ने आपसी समन्वय से मिलकर कार्य किया सभी के सम्मिलित प्रयास से जी-20 कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। मा0 मंत्री ने सभी का सम्मान किया जिससे सभी का मनोबल बढेगा। इस अवसर पर मा0 मंत्री ने जिलाधिकारी, देहरादून सोनिका, उपाध्यक्ष, एमडीडीए बंशीधर तिवारी, सीडीओ, देहरादून झरना कमठान, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 एस के बरनवाल, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामजीशरण, सचिव, एमडीडीए मोहन सिंह बर्निया, उप

सचिव एमडीडीए रज्जा अब्बास, एएमएनए नगर निगम ऋषिकेश राहुल गोयल, उपजिलाधिकारी ऋषिकेश सौरभ असवाल, तहसीलदार अमृता शर्मा, एमडीडीए आशाराम जोशी, जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल, डीपीआरओ विद्या सिंह सोमवाल, डीपीओ मोहित चैधरी, जिला प्रोबेशन अधिकारी मीना बिष्ट, सहायक निदेशक सूचना बद्री चन्द नेगी, जिला समाज कल्याण अधिकारी गोवर्धन, स्मार्ट सिटी पीआरओ प्रेरणा ध्यानी, अधि0अभि0 लोनिवि ऋषिकेश धीरेन्द्र कुमार, उद्यान अधिकारी मिनाक्षी जोशी, सहित अन्य विभाग के जी-20 में तैनात अधिकारीगणों/कार्मिकों को सम्मानित किया

बम्पर तबादलों से फिर बदली ब्यूरोक्रेसी की सूरत, पढ़िए किसको क्या मिला क्या घटा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 30 जून , देहरादून में देर रात अचानक ट्रांसफर लिस्ट फिर बाहर निकली और तीन दर्जन के करीब अफसरों को इधर से उधर कर दिया गया । खास बात ये है कि डीएम यूएस नगर युगल किशोर की शासन में वापसी हुई है तो वही सचिव स्तर पर जोरदार बदलाव किया गया है ।आईएएस मनीषा पंवार को अध्यक्ष परिवहन निगम के पद से मुक्त किया गया है। वहीं, आईएएस उदयराज सिंह को उधमसिंहनगर के नए डीएम पद पर तैनाती दी गई है ।उत्तराखंड शासन ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए बड़ी संख्या में आईएएस-पीसीएस के ट्रांसफर कर दिए। गुरुवार को देर रात अपर सचिव कर्मेन्द्र सिंह ने इसके आदेश कर दिए हैं। आईएएस डॉ आर राजेश कुमार , रणवीर सिंह चौहान , जैसे सीनियर अफसरों को बड़े महकमे सौंपे गए हैं।

उत्तराखण्ड शासन
कार्मिक एवं सतर्कता अनुभाग–1
संख्या 114/xxx–1–2023
देहरादून : दिनांक 29 जून, 2023

स्थानान्तरण/तैनाती

तत्काल प्रभाव से निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सम्मुख अंकित विभाग/पदभार में से स्तम्भ–4 में उल्लिखित पदभार से अवमुक्त करते हुए, स्तम्भ–5 में उल्लिखित पद पर तैनात किये जाने का निर्णय लिया गया है :–

क्र.सं	अधिकारी का नाम	वर्तमान तैनाती	Removed	Added
1	2	3	4	5
1	श्रीमती मनीषा पंवार, IAS-1990	अपर मुख्य सचिव, पुनर्गठन, अध्यक्ष, राजस्व परिषद, उत्तराखण्ड तथा अध्यक्ष, उत्तराखण्ड परिवहन निगम	अध्यक्ष, उत्तराखण्ड परिवहन निगम	–
2	श्री लालरिन लियना फैनई, IAS-1997	प्रमुख सचिव, समाज कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण, अध्यक्ष, अल्पसंख्यक कल्याण एवं वक्फ विकास निगम, अध्यक्ष, बहुउद्देशीय वित्त विकास निगम तथा आयुक्त, समाज कल्याण	प्रमुख सचिव, समाज कल्याण, अध्यक्ष, बहुउद्देशीय वित्त विकास निगम तथा आयुक्त, समाज कल्याण	अध्यक्ष, उत्तराखण्ड परिवहन निगम
3	श्रीमती राधिका झा, IAS-2002	बाध्य प्रतीक्षा	–	सचिव, समाज कल्याण तथा आयुक्त, समाज कल्याण
4	श्री हरि चन्द्र सेमवाल, IAS-2005	सचिव, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास, आबकारी, सिंचाई, लघु सिंचाई, धर्मस्व एवं संस्कृति, निदेशक, समेकित बाल विकास परियोजना (ICDS), आयुक्त, आबकारी तथा सचिव, मानवाधिकार आयोग	निदेशक, समेकित बाल विकास परियोजना (ICDS)	महानिदेशक, संस्कृति
5	श्री चन्द्रेश कुमार यादव, IAS-2006	सचिव, जनगणना, संस्कृत शिक्षा, आयुक्त एवं सचिव, राजस्व परिषद, उत्तराखण्ड तथा संचालक, चकबन्दी, उत्तराखण्ड	–	परियोजना निदेशक, उत्तराखण्ड शहरी क्षेत्र विकास एजेंसी (UUSDA)
6	डा0 आर0 राजेश कुमार, IAS-2007	सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, मिशन निदेशक, एन0एच0एम0, आयुक्त, स्वास्थ्य तथा PD/UK Health System Dev. Project	मिशन निदेशक, एन0एच0एम0	मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना (PMGSY)
7	श्री सी0 रविशंकर, IAS-2009	अपर सचिव, पर्यटन, नागरिक उड्डयन, वित्त का अतिरिक्त प्रभार, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पर्यटन विकास परिषद तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्तराखण्ड सिविल एविएशन डेवलपमेंट अथॉरिटी (UCADA)	अपर सचिव, पर्यटन तथा अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पर्यटन विकास परिषद	अपर सचिव, कौशल विकास एवं सेवायोजन
8	श्री युगल किशोर पंत, IAS-2009	जिलाधिकारी, उधमसिंहनगर तथा प्रबन्ध निदेशक, तराई बीज विकास निगम का अतिरिक्त प्रभार	जिलाधिकारी, उधमसिंहनगर तथा प्रबन्ध निदेशक, तराई बीज विकास निगम का अतिरिक्त प्रभार	अपर सचिव, पर्यटन तथा अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पर्यटन विकास परिषद
9	श्री रणवीर सिंह चौहान, IAS-2009	अपर सचिव, संस्कृति एवं धर्मस्व, कृषि एवं कृषक कल्याण तथा महानिदेशक, संस्कृति	अपर सचिव, संस्कृति एवं धर्मस्व तथा महानिदेशक, संस्कृति	अपर सचिव, पेयजल, प्रोजेक्ट डायरेक्टर, नमामी गंगे तथा प्रोजेक्ट डायरेक्टर, के0एफ0डब्ल्यू0
10	श्री धीराज सिंह गर्ब्याल, IAS-2009	जिलाधिकारी, हरिद्वार, उपाध्यक्ष, हरिद्वार–रूड़की विकास प्राधिकरण तथा कुम्भ मेलाधिकारी, हरिद्वार	उपाध्यक्ष, हरिद्वार–रूड़की विकास प्राधिकरण	–

11	श्रीमती रंजना, IAS-2010	अपर सचिव, ऊर्जा, निदेशक, उरेडा तथा परियोजना निदेशक, उत्तराखण्ड शहरी क्षेत्र विकास एजेंसी (UUSDA)	परियोजना निदेशक, उत्तराखण्ड शहरी क्षेत्र विकास एजेंसी (UUSDA)	अपर सचिव, विद्यालयी शिक्षा
12	श्रीमती ईवा आशीष श्रीवास्तव, IAS-2010	अपर सचिव, पेयजल, मिशन निदेशक, जल जीवन मिशन (ग्रामीण), निदेशक, स्वजल तथा Director of Census Operations (DCO)/Director of Citizen Registration (DCR) Uttarakhand	निदेशक, स्वजल	–
13	श्री योगेन्द्र यादव, IAS-2010	अपर सचिव, नियोजन, वाह्य सहायतित परियोजनायें (E.A.P) तथा विद्यालयी शिक्षा	अपर सचिव, विद्यालयी शिक्षा	अपर सचिव, समाज कल्याण एवं आयुक्त, निःशक्तजन
14	श्री उदय राज सिंह, IAS-2010	अपर सचिव, गन्ना–चीनी, पेयजल (नमामि गंगे), मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY), प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड शुगर फेडरेशन तथा प्रभारी प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम (प्रबन्ध निदेशक, पेयजल निगम की नियमित तैनाती होने तक)	अपर सचिव, गन्ना–चीनी, पेयजल (नमामि गंगे), मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY), प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड शुगर फेडरेशन तथा प्रभारी प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम (प्रबन्ध निदेशक, पेयजल निगम की नियमित तैनाती होने तक)	जिलाधिकारी, उधमसिंहनगर तथा प्रबन्ध निदेशक, तराई बीज विकास निगम का अतिरिक्त प्रभार
15	श्री कर्मेन्द्र सिंह, IAS-2011	अपर सचिव, कार्मिक एवं सतर्कता तथा पेयजल	–	निदेशक, स्वजल
16	श्री आनन्द श्रीवास्तव, IAS-2013	अपर सचिव, राजस्व तथा आपदा प्रबन्धन	अपर सचिव, आपदा प्रबन्धन	प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड परिवहन निगम, देहरादून का अतिरिक्त प्रभार
17	श्री रोहित मीणा, IAS-2014	अपर सचिव, नियोजन, प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड परिवहन निगम, देहरादून का अतिरिक्त प्रभार, प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड राज्य औद्योगिक विकास निगम (सिडकुल), महानिदेशक/आयुक्त, उद्योग, उत्तराखण्ड तथा मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उत्तराखण्ड खादी ग्रामोद्योग बोर्ड	प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड परिवहन निगम, देहरादून का अतिरिक्त प्रभार	मिशन निदेशक, एन0एच0एम0
18	श्री नवनीत पाण्डे, IAS-2015	अपर सचिव, शहरी विकास, मा0 मुख्यमंत्री तथा निदेशक, शहरी विकास, देहरादून	–	निदेशक, समेकित बाल विकास परियोजना (ICDS) तथा निदेशक, महिला कल्याण
19	श्री मेहरबान सिंह बिष्ट, IAS-2016	अपर सचिव, पेयजल, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले तथा आयुक्त, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले (आपूर्ति शाखा/आई0टी0)	अपर सचिव, पेयजल, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले तथा आयुक्त, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले (आपूर्ति शाखा/आई0टी0)	अपर सचिव, गन्ना–चीनी तथा प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड शुगर फेडरेशन
20	श्रीमती रूचि मोहन रयाल, IAS-2016	अपर सचिव, कौशल विकास एवं सेवायोजन	अपर सचिव, कौशल विकास एवं सेवायोजन	अपर सचिव, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले तथा आयुक्त, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले (आपूर्ति शाखा/आई0टी0)
21	श्रीमती नमामि बंसल, IAS-2017	अपर सचिव, तकनीकी शिक्षा	अपर सचिव, तकनीकी शिक्षा	अपर सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा अपर सचिव, चिकित्सा शिक्षा

22	श्री अंशुल सिंह, IAS-2018	मुख्य विकास अधिकारी, अल्मोड़ा	मुख्य विकास अधिकारी, अल्मोड़ा	उपाध्यक्ष, हरिद्वार–रूड़की विकास प्राधिकरण
23	श्री मदन मोहन सेमवाल, सचिवालय सेवा	अपर सचिव, उच्च शिक्षा	अपर सचिव, उच्च शिक्षा	अपर सचिव, विद्यालयी शिक्षा तथा गोपन
24	श्री राजेन्द्र सिंह, सचिवालय सेवा	अपर सचिव, कृषि एवं कृषक कल्याण तथा आयुष	अपर सचिव, कृषि एवं कृषक कल्याण	अपर सचिव, संस्कृति एवं धर्मस्व
25	श्री लक्ष्मण सिंह, सचिवालय सेवा	अपर सचिव, औद्योगिक विकास (खनन)	–	अपर सचिव, राज्य सम्पत्ति एवं राज्य सम्पत्ति अधिकारी
26	श्री प्रदीप सिंह रावत, सचिवालय सेवा	अपर सचिव, राजस्व, महिला कल्याण तथा निदेशक, महिला कल्याण	अपर सचिव, महिला कल्याण तथा निदेशक, महिला कल्याण	अपर सचिव, सचिवालय प्रशासन, सचिव, उत्तराखण्ड बाल अधिकार संरक्षण आयोग एवं निदेशक, सचिवालय प्रशिक्षण संस्थान का अतिरिक्त प्रभार
27	श्री ओमकार सिंह, सचिवालय सेवा	अपर सचिव, गोपन तथा पंचायती राज	अपर सचिव, गोपन	–
28	श्री अतर सिंह, सचिवालय सेवा	अपर सचिव, गृह, सचिवालय प्रशासन तथा निदेशक, सचिवालय प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून	अपर सचिव, सचिवालय प्रशासन एवं निदेशक, सचिवालय प्रशिक्षण संस्थान	अपर सचिव, आवास
29	श्री सुरेश चन्द्र जोशी, सचिवालय सेवा	अपर सचिव, बाल विकास, समाज कल्याण तथा आयुक्त, निःशक्तजन	अपर सचिव, समाज कल्याण तथा आयुक्त, निःशक्तजन	–
30	श्रीमती मायावती ढकरियाल, सचिवालय सेवा	अपर सचिव, आवास तथा ग्रामीण निर्माण	अपर सचिव, आवास	–
31	श्री अरूणेन्द्र सिंह चौहान, वित्त सेवा	अपर सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा तथा वित्त	अपर सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा	–
32	सुश्री रवनीत चीमा, PCS	अपर सचिव, श्रम	–	अपर सचिव, कृषि एवं कृषक कल्याण का अतिरिक्त प्रभार
33	श्री प्रताप सिंह शाह, PCS	अपर सचिव, राज्य सम्पत्ति, राज्य सम्पत्ति अधिकारी, सचिवालय प्रशासन तथा संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तराखण्ड	अपर सचिव, राज्य सम्पत्ति एवं राज्य सम्पत्ति अधिकारी	–
34	श्री बी0एल0 फिरमाल, PCS	निदेशक, प्रशासन एवं मानीटरिंग, पन्तनगर कृषि विश्वविद्यालय, उधमसिंहनगर तथा मुख्य कार्मिक अधिकारी, पन्तनगर कृषि विश्वविद्यालय, उधमसिंहनगर	निदेशक, प्रशासन एवं मानीटरिंग, पन्तनगर कृषि विश्वविद्यालय, उधमसिंहनगर तथा मुख्य कार्मिक अधिकारी, पन्तनगर कृषि विश्वविद्यालय, उधमसिंहनगर	संभागीय खाद्य नियंत्रक, कुमांयू संभाग
35	श्री बी0एस0 चलाल, PCS	संभागीय खाद्य नियंत्रक, कुमांयू संभाग	संभागीय खाद्य नियंत्रक, कुमांयू संभाग	अपर निदेशक, प्रशिक्षण निदेशालय, हल्द्वानी

चायवाले को UPI पेमेंट करने से देश का फायदा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 जुलाई , भारत अब 'New India' और 'Digital India' बन रहा है. इसमें यूपीआई पेमेंट की बहुत बड़ी भूमिका है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि सब्जी के ठेले से लेकर चाय की दुकान तक पर आपका यूपीआई पेमेंट करना देश के 7 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनने के सपने को पूरा करने में मदद कर रहा है. चलिए बताते हैं कैसे...आजकल यूपीआई पेमेंट हम सबकी जिंदगी का अहम हिस्सा बन गया है. ऑनलाइन शॉपिंग हो या पड़ोस की ब्रेड-बटर लाना, सभी काम के लिए हम इस पेमेंट मोड का इस्तेमाल करते हैं. भारत को 'न्यू इंडिया' और 'डिजिटल इंडिया' बनाने का ये सबसे इंपोर्टेंट टूल है. लेकिन आपने कभी गौर नहीं किया होगा कि आपका चाय वाले से लेकर पान की दुकान तक पर सिर्फ 5 रुपये का पेमेंट भी भारत को 7 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने में योगदान कर रहा है.जी हां, ये सच है कि आपको चाय से लेकर पान की दुकान तक पर यूपीआई से किया जाने वाला पेमेंट देश की इकोनॉमी को बदल रहा है. 'न्यू इंडिया' में पेमेंट करने का ये तरीका ना सिर्फ देश की इकोनॉमी को नई रफ्तार और दिशा देने का टूल है, बल्कि भारत की ग्रोथ करती इकोनॉमी का साइज भी

बढ़ा रहा है. चलिए समझते हैं कैसे...नवंबर 2016 में जब नोटबंदी हुई, तब देश को एक भरोसेमंद, सस्ते और सुरक्षित डिजिटल पेमेंट सॉल्यूशन की दरकार हुई. इस तरह यूपीआई लोगों के बीच पॉपुलर हुआ. लेकिन बात सिर्फ डिजिटल पेमेंट तक ही नहीं रुकी. 'न्यू इंडिया' में असल में सबकुछ 'डिजिटल इंडिया' होना था. सरकारी सेवाओं और योजनाओं तक आम लोगों की पहुंच सुनिश्चित और आसान करने के लिए 'सार्वजनिक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर' की जरूरत महसूस हुई और इस तरह जन्म लिया 'इंडिया स्टैक' ने...'इंडिया स्टैक' असल में कई सारी सरकारी मोबाइल एप्स का एक कलेक्शन है. इसमें आधार, डिजिलॉकर, को-विन और यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म शामिल हैं. इसमें सबसे अहम हिस्सा और मजबूत टूल है यूपीआई पेमेंट सिस्टम. इस एक टूल ने भारतीय लोगों के ना सिर्फ लेनदेन के तरीके को बदल दिया है, बल्कि देश के व्यापारिक ढांचे को भी बदला है.

पानी की पम्पिंग से झुक गई है पृथ्वी, रिसर्च में खुलासा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 जुलाई , धरती के एक तिहाई हिस्से पर पानी भरा हुआ है. पानी इंसान ही नहीं बल्कि पृथ्वी पर पाए जाने वाले हर जीवधानी और वनस्पति के लिए जरूरी है. ऐसे में जमीन के अंदर मौजूद पानी अगर खत्म हो जाए तो इंसानों सभ्यता के लिए ये मुसीबत पैदा कर देता.बढ़ती आबादी और इंसानों के अंतरिक्ष में बढ़ते कदम पृथ्वी के लिए नित नई चुनौतियां पैदा कर रहे हैं. अब एक ऐसी रिसर्च सामने आई है जिसने सभी को चौंका दिया है. ये रिसर्च पानी को लेकर है. जिसका इंसान जमकर दोहन कर रहा है. पानी के इसी दोहन की वजह से हमारी पृथ्वी पूर्व की ओर झुक गई है. बता दें कि हमारी पृथ्वी का एक तिहाई भाग पानी से ढका हुआ है. ऐसे में ग्राउंड वाटर की कमी किसी बड़े खतरे की ओर इशारा करती है.

क्या कहा गया है इस रिसर्च में ?

दरअसल, साइंटेक डेली में छपी एक खबर के मुताबिक, जियोफिजिकल रिसर्च लेटर्स में प्रकाशित एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इंसानों ने पृथ्वी से पंपिंग के जरिए इतना ज्यादा ग्राउंडवॉटर निकाला है कि पिछले 20 सालों से भी कम समय में पृथ्वी 4.36 सेंटीमीटर/प्रतिवर्ष की गति से करीब 80 सेंटीमीटर पूर्व की ओर झुक गई है. बता दें कि जियोफिजिकल रिसर्च लेटर्स एजीयू की पत्रिका है, जिसका काम पृथ्वी और अंतरिक्ष विज्ञान में होने वाले प्रभावों के साथ-साथ लघु-प्रारूप और उच्च-प्रभाव अनुसंधान को लेकर रिपोर्ट प्रकाशित करती है.

किन गलतियों से लगता है करेंट ? बिजली के झटके से बचने के 10 उपाय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 जुलाई , आजकल बारिश का मौसम है और ऐसे में एक खतरा हमेशा बना रहता है और वो है करंट का। दरअसल हम ये बात इसलिए भी कह रहे हैं क्योंकि बीते कुछ दिनों से करंट लगने की घटनाएं लगभग हर रोज आ रही हैं। बारिश की वजह से जगह-जगह पानी भरा है, कहीं तेज हवाओं से तार टूट गए तो कहीं घर की दीवार गीली होने से स्विच में करंट आ गया। बीते 4 दिनों में 3 घटनाएं हुईं हैं-पहला केस 25 जूनः सोहेल दिल्ली में अपने चाचा के घर के पास तैमूर नगर पहुंचा। वहां गली में पानी भरा हुआ था। जैसे ही वो गली पार करने के लिए पानी में उतरा, तो करंट की चपेट आने से मौत हो गई।दूसरा केस 25 जूनः दिल्ली रेलवे स्टेशन के बाहर बारिश की वजह से जलभराव हो गया था। इस पानी से बचने के लिए 34 साल की साक्षी अहूजा ने खंभे को पकड़ लिया। जैसे ही खंभे को पकड़ा तो उसे जोरदार करंट लगा और मौके पर ही मौत हो गई।तीसरा केस 28 जुलाईः मध्य प्रदेश के छतरपुर में घर में काम करते समय एक महिला को करंट लगने और उसकी चपेट में आने से उसकी मौत हो गई।

बारिश होने पर जरूरी काम से बाहर जाना है तब 10 टिप्स का ख्याल रखें।

जहां पानी भरा हो, वहां बिल्कुल न जाएं।पैदल जाना हो, तो छाता जरूर लेकर निकालें।कपड़े गीले न हों, इसलिए रेनकोट पहनें।बारिश में जूते या पूरी तरह से बंद सैंडल ही पहनें। ताकि फिसलने का डर न हो।अपने मोबाइल और बैग को पॉलीथिन के अंदर ही रखें। एक एक्स्ट्रा बड़ी पॉलीथिन साथ रखें।कोशिश करें, जिस सामान की जरूरत हो, उसे ही लेकर बारिश में बाहर निकलें।घर से निकलने से पहले ही कैब बुक कर लें, अपनी गाड़ी से जाने से बचें।बच्चे, बुजुर्ग और प्रेग्नेंट महिला के साथ बारिश में न निकलें।अपनी डेस्टिनेशन पर पहुंचने के लिए ऐसे रास्ते चुनें, जहां पानी भरने की कम उम्मीद रहती हो और सड़क पर गड्ढे न हों।बिजली के खम्भे से दूर होकर चलें। सड़क पर टूटे तार, ऊपर से लटके टूटे तारों से दूर चलें।

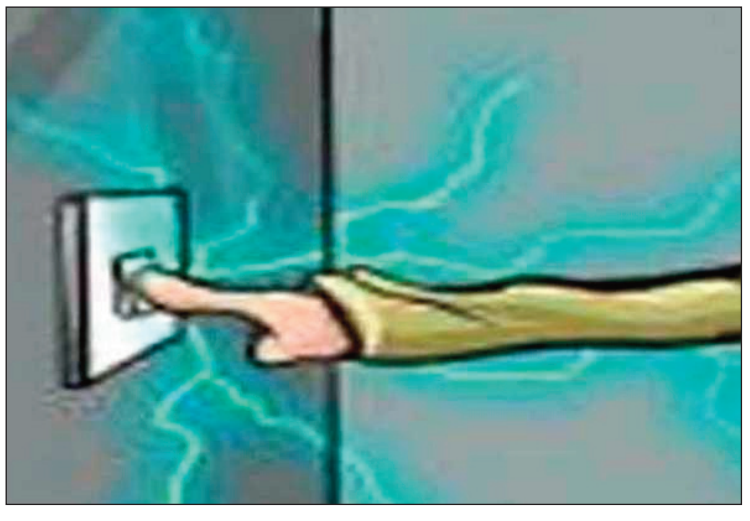

हेल्थ इंश्योरेंस की रोचक जानकारी ! मोटे लोगों को देना पड़ता है ज्यादा प्रीमियम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 जुलाई , कोविड के बाद लोगों के बीच हेल्थ इंश्योरेंस लेने को लेकर जागरूकता बढ़ी है. लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि शरीर का वजन कम करने से आपके हेल्थ इंश्योरेंस का प्रीमियम भी कम हो सकता है. चलिए हम बताते हैं कैसे...कोविड महामारी ने लोगों के बीच हेल्थ इंश्योरेंस लेने को लेकर जागरूकता बढ़ाई. एक्सपर्ट हेल्थ इंश्योरेंस को एक सही निवेश भी बताते हैं क्योंकि एक तो बीमारी के मुश्किल वक्त में ये आपकी वित्तीय मदद करता है, दूसरा इसका फायदा इनकम टैक्स छूट लेने में भी मिलता है. लेकिन क्या आपको पता है कि आप वजन घटाकर अपने हेल्थ इंश्योरेंस का प्रीमियम भी कम करवा सकते हैं.जी हां, थोड़ा पसीना बहाकर आप हेल्थ इंश्योरेंस का प्रीमियम करवा सकते हैं. जितना अधिक पसीना आप बहाएंगे और जितने फिट आप होंगे, उतना ही आपके स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम कम होता जाएगा, क्योंकि आपका बीमा तय करने से पहले कंपनियां कई सारे पैरामीटर्स चेक करती हैं, जिसमें आपका कम वजन आपकी बहुत मदद कर सकता है.

बीएमआई, स्मोकिंग-ड्रिंकिंग, होता है सबका टेस्ट

साधारण बीमा कंपनियां जब हेल्थ इंश्योरेंस बेचती हैं, तो व्यक्ति के बॉडी मास इंडेक्स, स्मोकिंग की आदत और नशे की लत वगैरह की जांच करती हैं. इसके आधार पर ही आपके इंश्योरेंस का प्रीमियम तय होता है. इसलिए अगर आप एक्सरसाइज करते हैं और फिट रहते हैं तो हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी से आपको कम प्रीमियम पर बीमा मिल सकता है.

मोटे लोगों को देना पड़ता है ज्यादा प्रीमियम

हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियां अधिक वजन वाले व्यक्तियों से अधिक प्रीमियम वसूलती हैं. मोटापे का शिकार लोगों में हार्ट अटैक, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, और अन्य बीमारियों के होने की संभावना अधिक रहती है. इसलिए कंपनियां उनसे ज्यादा बीमा वसूलती हैं.पॉलिसी बाजार ने इसकी जानकारी दी है कि इसी बात को ध्यान में रखते हुए बीमा कंपनियां अब ग्राहकों को फिटनेस के प्रति जागरूक कर रही हैं और इसके लिए कैंपेन चला रही हैं. फिटनेस पर ध्यान देने वाले ग्राहकों को कंपनियां डिस्काउंट की पेशकश कर रही हैं.

जितने फिट, प्रीमियम पर उतनी ज्यादा छूट

बीमा कंपनियां एक्सरसाइज करने वाले ग्राहकों को अगले साल के प्रीमियम पर 10 से 30 फीसदी तक की छूट देने का प्लान कर रही हैं. जबकि कुछ कंपनियां 50 प्रतिशत तक की सीधी छूट देने की भी योजना बना रही हैं. इनकम टैक्स की धारा 80(D) के तहत, हेल्थ इंश्योरेंस लेने वालों को 25,000 रुपये से 1 लाख रुपये तक की कर छूट भी मिलती है.

नैनीताल के भवाली में खुलेगा तुलसी योग साधना केंद्र

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 जुलाई , उत्तराखंड को एक और नयी पहचान देने के लिए तैयार है झीलों का शहर नैनीताल ... खबर आ रही है कि भवाली में करीब तीन करोड़ रुपये की लागत से तुलसी योग साधना केंद्र की स्थापना की जाएगी। आपको यहाँ बता दें कि तुलसी मठ प्रबंधन इस केंद्र का निर्माण कराएगा। योग साधना के क्षेत्र में इस केंद्र की अहम भूमिका होगी। उम्मीद की जा रही है कि अगले दो महीने में इस केंद्र की शुरूआत हो जाएगी।आध्यात्म और आयुर्वेद के प्रति लोगों में चेतना जागृत करने के उद्देश्य से तुलसी मठ प्रबंधन ने इस दिशा में कदम उठाया है। प्रबंधन के अनुसार कुदरत के अनोखे नज़रों और दिलकश पहाड़ियों, शुद्ध वातारण और प्राकृतिक सुंदरता को देखते हुए भवाली में योग साधना केंद्र स्थापित करने की योजना बनाई गई है। केंद्र का निर्माण लगभग 150 बीघा भूमि में कराया जाएगा। भूमि संबंधी सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं।

विदेशी साधकों को भी दी जाएगी योग की शिक्षा

तुलसी मठ प्रबंधन की माने तो इस केंद्र में विदेशी साधकों के साथ अनुयायियों को भी योग का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। योग के माध्यम से रोगों का उपचार किया जाएगा। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए विशेष प्रशिक्षण संचालित करने की भी योजना है। केंद्र में लोगों के रहने और भोजन का प्रबंध रहेगा। केंद्र में आधुनिकता के साथ वैदिक पद्धतियों के साथ चिकित्सा सुविधाएं स्थापित कराई जाएंगी। तो उम्मीद कीजिये कि जब ये संस्थान बनकर तैयार होगा तो देवभूमि में आध्यात्मिकता की लोकप्रियता और भी मशहूर हो सकेगी।

सोशल मीडिया की अहमियत को समझने के लिए IITM में जुटे युवा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 1 जुलाई रविश्व सोशल मिडिया दिवसर के अवसर पर I. T. M कॉलेज, चकराता रोड, देहरादून में छात्र-छात्राओं के मध्य जनसंवाद परिचर्चा का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम का प्रारम्भ करते हुए I. T. M कॉलेज के चेयरमैन निशांत थपलियाल ने कहा की,सोशल मीडिया के प्रभाव और वैश्विक संचार में इसकी भूमिका को उजागर करने के लिए आज विश्व सोशल मीडिया दिवस को मनाया जाता है।आज के वर्तमान और आधुनिक युग में सोशल मीडिया हर किसी के जीवन का अभिन्न अंग बन गया है।आज के समय में सोशल मीडिया दुनिया के कोने-कोने से लोगों को आपस में जोड़ने का अहम साधन बनकर उभरा है।आज के तेजी से बदलते समय में लोगों के बीच सोशल मीडिया के माध्यम भी काफी तेजी से बदल और लोकप्रिय हो रहे हैं। वर्तमान समय में ट्विटर, इंस्टाग्राम, लिंक्डइन, स्नैपचैट जैसे प्लेटफॉर्म व्यापक रूप से सूचना के स्रोत के रूप में उपयोग किए जाते हैं। दुनिया की कुल आबादी के 60 प्रतिशत से

अधिक के बराबर सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रहे हैं।सोशल मीडिया के जरिए हम मैसेजिंग सर्विस ऐप पर हजारों मील दूर बैठे व्यक्ति से जुड़ सकते हैं।

वहीं मोबाइल पर एक बटन दबाते ही पूरी दुनिया से कनेक्ट हो सकते हैं। इस अवसर पर मुख्य वक्ताओं ने भी अपने अपने विचार छात्र - छात्राओं के सम्मुख रखे। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य गणमान्य विभूतियों में I. T. M कॉलेज की रजिस्ट्रार रूचि थपलियाल , प्रिंसिपल डॉ अंजू गैरोला , डायरेक्टर डॉ आर. एम भट्ट समेत मास कम्युनिकेशन कोर्स की फैकल्टी से ईशानी, रितिका, स्मृति और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

ब्रह्मांड में गूंजने वाली आवाज को लेकर बड़ा खुलासा हुआ !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 जुलाई , करीब 15 साल तक के आंकड़े जुटाने के बाद भारत सहित कई देशों के वैज्ञानिकों द्वारा ब्रह्मांड में गूंजने वाली आवाज को लेकर बड़ा खुलासा किया गया है. ब्रह्मांड में गूंजने वाली 'हम्म्म्म' की आवाज को लेकर वैज्ञानिकों के पुष्टि की है कि ये ध्वनि ब्रह्मांड में हमेशा गूंजती रहती है. इसे सुनकर ऐसा लगता है कि जैसे कि आप किसी बहुत शोरगुल वाली जगह पर बैठे हों. वैज्ञानिकों ने बताया है कि ये आवाज ग्रेविटेशनल वेव यानी कि गुरुत्वाकर्षण तरंगों की वजह से निकलती है. भारत, अमेरिका, यूरोप, चीन और ऑस्ट्रेलिया के साइंटिस्टों को रेडियो टेलिस्कोप के जरिये इस बात का सबूत मिला है. हालांकि पहले ये दावा किया जाता था कि ब्रह्मांड में कोई आवाज नहीं होती है.

गैस के चलते अंतरिक्ष में ट्रैवल करते हैं साउंड वेव

इससे पूर्व नासा ने भी कहा था कि यह मानना गलत है कि अंतरिक्ष में कोई आवाज नहीं होती है. क्योंकि आकाशगंगा खाली है, जिससे साउंड

वेव को ट्रैवल करने का कोई रास्ता नहीं मिलता. ये आवाज एक कंपन है. आवाज की खोज किये वैज्ञानिकों का कहना है कि अंतरिक्ष में कई जगह पर गैस हैं, जिनके चलते साउंड वेव घूमती रहती हैं. साल 2022 के अगस्त महीने में नासा ने पर्सियस आकाशगंगा समूह के केंद्र में एक बड़े ब्लैक होल की ध्वनि को खोजा था. नासा ने इस ब्लैक होल से निकलने वाली ध्वनि को दुनिया के समक्ष जारी किया था.

साइंटिस्ट अल्बर्ट आइंस्टीन ने भी की थी ब्रह्मांड की आवाज की घोषणा

खगोलविदों द्वारा खोजी गई ब्रह्मांड की आवाज की तुलना अल्बर्ट आइंस्टीन की एक घोषणा से की गई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि

गुरुत्वाकर्षण तरंगों जैसी एक अन्य ध्वनि ब्रह्मांड में मौजूद है. नेशनल सेंटर फॉर रेडियो एस्ट्रोफिजिक्स (NCRA) द्वारा संचालित, पुणे में स्थित भारत का विशाल मेट्रोवेव रेडियो टेलीस्कोप (GMRT) दुनिया के छह सबसे बड़े रेडियो टेलीस्कोपों में से एक था, जिसने नैनो-हर्ट्ज गुरुत्वाकर्षण तरंगों की इस खोज का मार्ग प्रशस्त किया.

चिलचिलाती गर्मी में 25 लाख से ज्यादा लोग काबा पर की दुआ

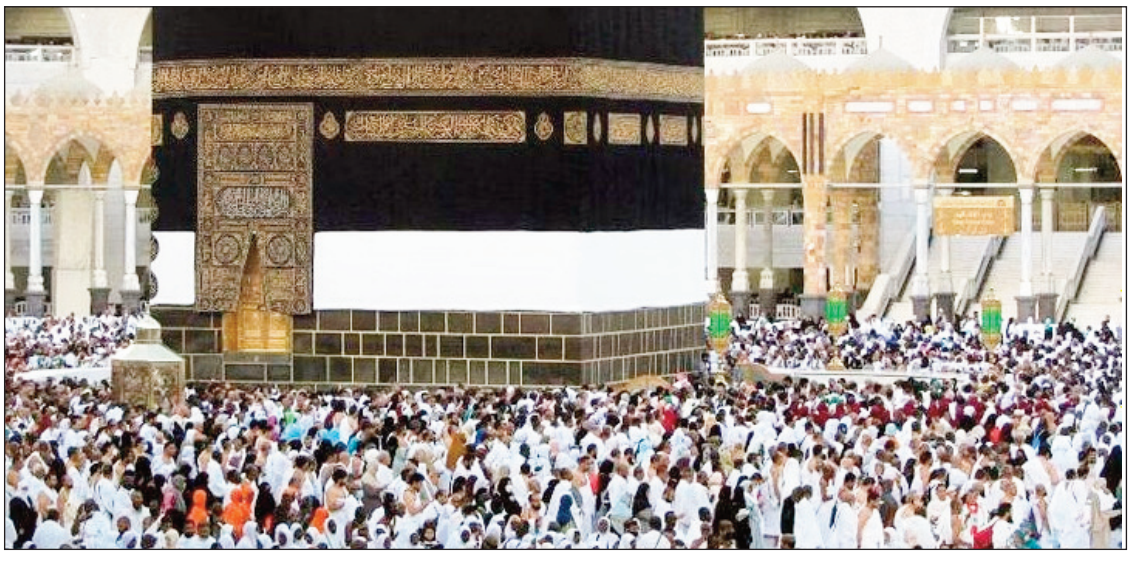

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नेशनल डेस्कः सऊदी अरब में हज यात्रा 26 जून 2023 से शुरू हो चुकी है। इस बार 25 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री सऊदी अरब हज यात्रा के लिए पहुंचे हैं। इसे इतिहास का सबसे बड़ा जत्था करार दिया जा रहा है और इस बार की हज यात्रा को ऐतिहासिक माना जा रहा है, क्योंकि कोरोना महामारी के बाद पहली बार सभी प्रतिबंधों को हटा दिया गया है और यहां पर लाखों की संख्या में हज यात्री मक्का में तवाफ और काबा की परिक्रमा करने के लिए पहुंच रहे हैं। बता दें कि इस बार हज यात्रा 26 जून से शुरू हो गई है, जो 1 जुलाई 2023 तक चलेगी

हज 2023 में सुरक्षा के इंतजाम

हज यात्रा के दौरान यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर हजारों की संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। इस बीच सबसे बड़ी चुनौती गर्मी है, क्योंकि यहां का तापमान लगभग 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। ऐसे में सऊदी अधिकारियों ने बताया कि 32000 से ज्यादा स्वास्थ्य कर्मी और हजारों एंबुलेंस तीर्थ यात्रियों के लिए तैनात की गई है। साथ ही इन यात्रियों को हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और थकावट से बचने के लिए जरूरी चीजें भी मुहैया कराई जा रही हैं।

क्या होता है हज

हज एक मुस्लिम तीर्थ यात्रा है, जिसे मुस्लिम समुदाय के लोग सऊदी अरब के पाक शहर मक्का में जाकर करते हैं। दरअसल, यहां पर इस्लाम धर्म के 5 स्तंभ (शहादा, नमाज, रोजा, जकात और हज) में से एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। कहते हैं कि एक मुसलमान को जीवन में एक बार हज यात्रा जरूर करनी चाहिए। हज यात्रा करने वालों को सभी पापों से मुक्ति मिल जाती है और जो हज यात्रा करता है वह अल्लाह के बहुत करीब हो जाता है। हज यात्रा के दौरान मुस्लिम समुदाय के लोग सफेद रंग के कपड़े पहनते हैं जिन्हें एहराम कहा जाता है। एहराम पहनकर ही काबा की परिक्रमा लगाई जाती है।

रवाना हुआ अमरनाथ यात्रा का पहला जत्था भक्त करेंगे बाबा बर्फानी के दर्शन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 जुलाई , अमरनाथ की यात्रा का 30 जून की सुबह आगाज हो चुका है. अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं के पहले जत्थे को जम्मू से रवाना किया गया है. बता दें कि, अमरनाथ यात्रा के पहले जत्थे में 3488 यात्री जम्मू के लिए रवाना हुए हैं. इन सभी यात्रियों को जम्मू बेस कैंप से जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है. अमरनाथ यात्रा के आगाज के समय सभी यात्री भोलेनाथ के रंग में रगे हुए नजर आए. भक्तों ने बाबा के जयकारों के साथ यात्रा की शुरुआत की.

बाबा भोलेनाथ के जयकारों के बीच हुआ अमरनाथ यात्रा का आगाज

बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए अमरनाथ यात्रा सुबह 4 बजे रवाना हुई है. यात्रा का आगाज बम-बम भोले और भगवान शिव के जयकारों के बीच हुआ है. यात्रा के लिए जा रहे श्रद्धालुओं में खास उत्साह और जोश देखने को मिला. यात्रा की शुरुआत कड़े सुरक्षा नियमों के साथ की गई है. कश्मीर के लिए रवाना हुआ भक्तों का जत्था बालटाल और पहलगाम रूट से होते हुए बाबा की पवित्र गुफा के दर्शन के लिए आगे बढ़ेगा.

सीआरपीएफ की 160 बटालियन के कमांडेंट हरिओम खरे का कहना है कि 'अमरनाथ यात्रा में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए कड़े इंतजाम किए गए हैं. यात्रियों की सुरक्षा और यात्रा को सुगम बनाने के लिए चप्पे-चप्पे पर फोर्स और पुलिस की तैनाती की गई है. यात्रियों की सुरक्षा के लिए सीआरपीएफ की बड़ी टूकड़ी भी साथ जाएगी. बाइक दस्ता और डॉग स्क्वॉड भी सुरक्षा में तैनात हैं. ड्रोन कैमरे का भी इस्तेमाल किया जा रहा है. सुरक्षा में कुछ बदलाब करते हुए इस बार गुफा मंदिर में सीआरपीएफ की जगह इंडो तिब्बत बॉर्डर पुलिस की तैनाती की गई है.

पूर्व क्रिकेटर सिद्धू के बेटे करण सिद्धू ने गंगा तट पर की सगाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश , 1 जुलाई , पूर्व क्रिकेटर व पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के घर जल्द ही नई बहू की एंट्री होने वाली है। उनके बेटे करण सिद्धू की सगाई हो गई है। सिद्धू ने ट्वीट कर यह खुशखबरी लोगों के साथ साझा की। उन्होंने अपनी होने वाली बहू की तस्वीरें साझा करते हुए, उनके बारे में सभी को बताया।

यह तस्वीरें ऋषिकेश की हैं। जहां सिद्धू और उनका पूरा परिवार मां गंगा का आशीर्वाद लेने के लिए पहुंचा था। तस्वीरों में सिद्धू अपनी पत्नी नवजोत कौर सिद्धू, बेटी राबिया सिद्धू, बेटे करण सिद्धू और इनायत रंधावा के साथ नजर आए। सिद्धू अपने परिवार संग 25 जून की रात ऋषिकेश पहुंचे, मंगलवार को वो यहां से वापस लौट गए।अपने ट्विटर हैंडल पर कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने लिखा कि 'बेटा अपनी प्यारी मां की सबसे बड़ी इच्छा का सम्मान करता है। इस शुभ दुर्गा-अष्टमी के दिन मां गंगा की गोद में, एक नई शुरुआत, हमारी होने वाली बहू इनायत रंधावा से मिलिए।'

सिद्धू ने बताया कि उनके बेटे ने अपनी मां की इच्छा को पूरा किया और गंगा नदी के तट पर अपनी मंगेतर को 'प्रॉमिस बैंड' बांधा। लोग उन्हें इस खुशी के मौके पर बधाइयां दे रहे हैं। बता दें कि नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर कैंसर से जूझ रही हैं। उनकी कीमोथैरेपी हो रही है। नवजोत सिंह सिद्धू एक माह के भीतर दूसरी बार ऋषिकेश आए हैं। इससे पहले वो 29 मई को भी ऋषिकेश आए थे। इस दौरान उन्होंने आसपास के क्षेत्र में घूमने के साथ राफ्टिंग भी की थी।

हनुमान जी खाएंगे 2700 किलो की रोटी, प्रसाद बनेगा रिकॉर्ड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आपने अपने जीवन में कितनी बड़ी रोटी देखी है। ज्यादा से ज्यादा शादियों में काम आने वाले तवे पर बनी रोटी। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि कोई ऐसी रोटी बन रही हो जिसे बेलने के लिए रोलर बुलाया जाए। इतना ही नहीं उसकी सिकाई भी 18 घंटे तक की जाए। ऐसा ही कुछ होने जा रहा है राजस्थान के सीकर शहर में। जहां भगवान हनुमान को 2700 किलो की रोटी का भोग लगाया जाएगा। जिसकी सिकाई 18 घंटे तक की जाएगी। इसके बाद इसका चूरमा बनाकर भगवान हनुमान को उसका भोग लगाया जाएगा।

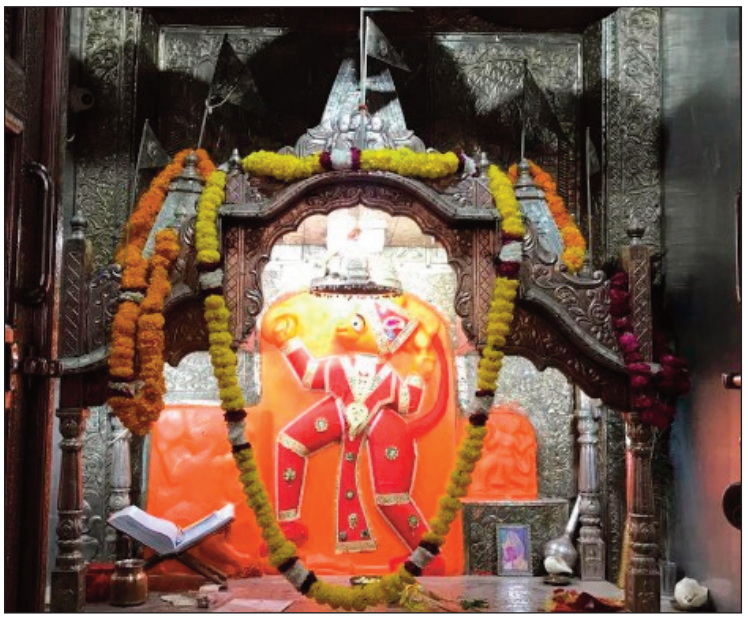

सीकर में भगवान हनुमान को 2700 किलो रोटी का लगेगा भोग

यह आयोजन होने जा रहा है सीकर शहर के देवपुरा बालाजी मंदिर में। यहां के महंत ओम शर्मा ने बताया कि हर बार बाबा को अच्छे से अच्छा भोग लगाया जाता है। इसी के तहत निर्णय किया कि क्यों ना इस बार कोई वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया जाए। फिर क्या था साथियों के साथ इस बारे में चर्चा की। जिन्होंने इस तरह की रोटी बनाने का विचार दिया। हालांकि राजस्थान में पहले इस तरह की रोटी बन चुकी थी। ऐसे में उन्हीं हलवाईयों को जोधपुर की तरफ से बुलाया गया। इस रोटी को बनाने के लिए बकायदा मंदिर के बाहर एक विशाल भट्टी बनाई गई है। उसके ऊपर रखने के लिए एक लोहे का बड़ा जाल तवे के रूप में बनाया गया है। इसके अलावा रोटी को बेलने के लिए एक बड़ा रोलर भी बनवाया गया है। जो रोटी बेलेगा।

18 घंटे में सिकेगी भगवान के भोग वाली रोटी

करीब 18 घंटे तक रोटी सिकेगी। इस दौरान मंदिर में रामधन का पाठ होता रहेगा। इसके बाद कल सुबह जब रोटी बन जाएगी तो उसमें मेवा और अन्य आइटम मिलाकर उसे एक चूरमे की तरह बना दिया जाएगा और फिर भगवान को उसका भोग लगाया जाएगा इसके बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित कर दिया जाएगा।

पारंपरिक तरीके से होगी भोग की रोटी की सिकाई

आपको बता दें कि इस रोटी के निर्माण के लिए कोई गैस सिलेंडर या अन्य किसी उपकरण को काम में नहीं लिया जा रहा है। बल्कि पारंपरिक और पुराने समय में काम आने वाली गोबर की थेपड़ियों पर ही इसे बनाया जाएगा। इस अनोखी रोटी को बनते देखने के लिए सीकर में लोगों में काफी ज्यादा उत्साह का माहौल है। लोग सुबह से ही मंदिर पहुंचना शुरू हो चुके हैं। करीब दो दर्जन से ज्यादा हलवाई इस रोटी को बना रहे हैं।

सिंचाई मंत्री महाराज ने योगी से परिसम्पत्तियों के हस्तान्तरण के शासनादेश करने का किया अनुरोध

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

■ उत्तराखंड की सीमा से लगी यूपी की सड़कों को भी दुरुस्त किया जाए: महाराज

देहरादून/लखनऊ , 1 जुलाई , प्रदेश के लोक निर्माण, पर्यटन, सिंचाई, लघु सिंचाई, पंचायती राज, ग्रामीण निर्माण, संस्कृति, जलागम प्रबन्धन एवं भारत नेपाल उत्तराखण्ड नदी परियोजना मंत्री सतपाल महाराज ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट कर दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों के बीच अस्तियों एवं दायित्वों के विभाजन के सम्बन्ध में हुई बैठकों का हवाला देते हुए जनपद हरिद्वार, उधमसिंह नगर और चम्पावत की जिन परिसम्पत्तियों के उत्तराखण्ड राज्य को हस्तान्तरण पर सहमति बनी थी उनके शासनादेश जारी किए जाने का अनुरोध करने के साथ-साथ उनसे उत्तराखंड राज्य की सीमा में उत्तर प्रदेश के स्वामित्व वाली सड़कों की खराब स्थिति एवं उनके सुधारीकरण किए जाने की भी बात कही ।प्रदेश के लोक निर्माण, पर्यटन, सिंचाई, लघु सिंचाई, पंचायती राज, ग्रामीण निर्माण, संस्कृति, जलागम प्रबन्धन एवं भारत नेपाल उत्तराखण्ड नदी परियोजना मंत्री सतपाल महाराज ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट कर दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों बीच अस्तियों एवं दायित्वों के विभाजन के सम्बन्ध में हुई बैठकों का हवाला देते हुए जनपद हरिद्वार में सिचाई विभाग की 615.836 हेक्टेयर भूमि एवं सं0 348 आवासीय भवन और सं0 167 की अनावासीय भवन के अलावा संयुक्त सर्वेक्षण के आधार पर चयनित जनपद उधमसिंह नगर की 49.234 हेक्टेयर भूमि में से 12.457 हेक्टेयर भूमि व 41 सं0 आवासीय भवन और 07 सं0 अनावासीय भवन के साथ साथ जनपद चम्पावत में स्थित 31.889 हेक्टेयर भूमि उत्तराखंड राज्य को हस्तांतरण किये जाने हेतु शासनादेश जारी किए जाने का भी अनुरोध किया ।प्रदेश के सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट कर उन्हें जनपद हरिद्वार के असिंचित क्षेत्रों हेतु गंग नहर से 665 क्यूसेक पानी दिए जाने के साथ ही दोनों राज्यों के मध्य जल बंटवारे पर सहमति बनाए जाने की भी बात कही। महाराज ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को परिसंपत्ति के हस्तांतरण के शासनादेश शीघ्र करवाने के साथ-साथ उत्तराखंड राज्य की सीमा में उत्तर प्रदेश के स्वामित्व वाली सड़कों की खराब स्थिति एवं उनके सुधारीकरण किए जाने का पत्र सौंपते हुए कहा कि उत्तराखंड राज्य की अधिकतर सीमा उत्तर प्रदेश से लगी होने के कारण श्रद्धालु उत्तर प्रदेश से होकर ही उत्तराखंड में आते हैं, इसलिए राज्य के जनपद रुद्रपुर तथा पौड़ी से जुड़ने वाली उत्तर प्रदेश सरकार की स्वामित्व की सड़कें जिनमें अलीगंज-का-शीपुर, ठाकुरद्वारा-काशीपुर, जसपुर-धामपुर तथा नजीबाबाद- कोटद्वार-पौड़ी मार्ग की सड़कों की खराब स्थिति को तत्काल सुधारा जाना चाहिए।

संपादकीय

घातक मलबे का उपचार

विकास का मलबा जब घूरने लगा तो यह कानूनी तौर पर एक बड़ा मसला बनता हुआ नजर आ रहा है। किरतपुर से नेरचौक तक बढ़ती हुई फोरलेन ने सदियों के मुकाम खोज डाले हैं, लेकिनऐसी कनेक्टिविटी के आर्थिक अर्थों के साथ-साथ कुछ भौगोलिक शर्तें भी नत्थी हैं और इन्हीं की व्याख्या करते हुए माननीय उच्च न्यायालय ने संबंधित विभाग से पूछा है कि आखिर मलबे को लेकर उसके इंतजाम क्या हैं। एनएचएआई ने वन विभाग की शिकायत पर जंगल में मलबा फेंकने के एवज में जुर्माना भरा था, लेकिन अदालत इस मसले को जुर्माने की हकीकत से ऊपर देख कर पूछ रही है कि असली उत्तर तो मलबे को स्थायी रूप से ठिकाने लगाने से ही मिलेगा। बेशक अदालत के पास एक फोरलेन के मलबे को लेकर मामला आया है, लेकिन यह पूरे प्रदेश में चल रहे विकास से जुड़ा अहम प्रश्न है। कमोबेश हर सडक़, विद्युत परियोजना, शहरीकरण, आवासीय निर्माण तथा राज्य की गतिविधियों के कारण हिमाचल की भौगोलिक परिस्थितियां इतना मलबा पैदा कर रही हैं कि हमें इसके वैज्ञानिक निपटारे के साथ-साथ इसकी डंपिंग की योजना बनानी होगी। जिस राज्य में कूड़े-कचरे के निपटारे का प्रबंधन भी आफत बना हो, वहां हर निर्माण से जुड़ा मलबा और भी घातक हो सकता है। काफी वर्ष पहले चंबा की विभिन्न विद्युत परियोजनाओं के कारण रावी का बहाव परेशानी पैदा कर गया था। कुछ इसी तरह बरसाती मलबे के कारण जल निकासी भयंकर शक्ल अख्तियार करने लगी है। बड़े-बड़े बांध और छोटी-छोटी वाटरशेड परियोजनाएं अपने भीतर इतनी गाद या मलबा समाहित कर चुकी हैं कि इसके कारण जल भंडारण या जल रिसाव के प्राकृतिक रास्ते पूरी तरह अवरुद्ध हो चुके हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में सडक़ों के किनारे जल शक्ति, विद्युत तथा स्वयं पीडब्ल्यूडी के कारण हर तरह के विकास का मलबा खड़ा हो जाता है। वन विभाग भले ही वन महोत्सव की परंपरा में पर्यावरणीय संदेशों की गर्दन ऊंची कर दे, लेकिन मानव बस्तियों तक उसके मलबे का उत्पात भी कम कसूरबार नहीं। ऐसे में वन विभाग के सहयोग से ही हिमाचल का नवनिर्माण सुव्यवस्थित होगा। कहना न होगा कि शहरी विकास को सुव्यवस्थित करने की अधिकतम परियोजनाएं वनापत्तियों में फंसी हैं। सबसे खतरनाक पहलू यह भी है कि वन विभाग की अड़चनों के कारण शहरों का कूड़ा कचरा प्रबंधन निश्चित शक्ल अख्तियार नहीं कर रहा। इस संबंध में कूड़ा निष्पादन की कई परियोजनाएं अगर वन विभाग के अडियल व फिजूल की प्रक्रिया में फंसी रहेंगी, तो विनाश तय है।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

आसमानी बिजली की पूर्व चेतावनी तंत्र को मजबूत करेगा एमओयू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 1 जुलाई , उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं Climate Resilient Observing -System Promotion Council (CROPC) के मध्य सचिवालय में Lightning Detection & Arrestor के सम्बन्ध में समझौता ज्ञापन(MoU) किया गया ।सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विभाग उत्तराखंड डॉ रंजीत कुमार सिन्हा तथा CROPC के चेयरमैन संजय श्रीवास्तव ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से यूएसडीएमए और सीआरओपीसी के बीच सहयोग का एक नया अध्याय आरम्भ होगा । विशेष रूप से, राज्य में आसमानी बिजली की पूर्व चेतावनी तंत्र को मजबूत करने के सम्बन्ध में इससे सहायता मिलेगी । उत्तराखंड में सिस्टम एकीकरण, आसमानी बिजली गिरने के हॉट स्पॉट के माइक्रो-ज़ोनेशन, बिजली के कंडक्टर और अवरोधकों की स्थापना के लिए उपयुक्त स्थानों की पहचान, लोगों और जानवरों के लिए सुरक्षित आश्रयों का निर्माण, प्रशिक्षण और जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना इस समझौता ज्ञापन के मुख्य सहयोग के बिंदु हैं । यूएसडीएमए और सीआरओपीसी एक साथ काम करके इस समझौता ज्ञापन के उद्देश्यों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे ।

धीमी पड़ी चार धाम के यात्रियों की रफ्तार, मध्यम पड़ी मौसम की मार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 1 जुलाई , उत्तराखंड का मौसम विभाग हो या राज्य सरकार लगातार मौसम के हालात को देखते हुए यात्रियों से अपील कर रहे हैं कि वो अलर्ट देख कर ही आगे बढ़ें। इन सबके साथ साथ मौसम विभाग भी कभी येलो तो कभी ऑरेंज अलर्ट जारी कर रहा है। इस बीच बिगड़ते मौसम का सबसे ज्यादा असर केदारनाथ में सबसे ज्यादा देखने को मिल रहा है जिसके चलते केदारनाथ जाने वाले यात्रियों को सोनप्रयाग में ही रोक दिया गया। यात्रा रोकने से पहले सुबह आठ बजे सोनप्रयाग से 4953 श्रद्धालु धाम के ओर रवाना किये गए। जिला आपदा प्रबन्धन अधिकारी ने मीडिया को बताया कि पैदल मार्ग पर यात्रा सुचारू है, लेकिन बारिश के कारण सोनप्रयाग में यात्री रोके गए गए हैं।

मानसून की बारिश के बीच अब केदारनाथ यात्रा में यात्रियों की संख्या कम होने लगी है। पिछले दस दिनों से धाम में दर्शनार्थियों की संख्या औसतन पांच हजार तक पहुंच गई है। साथ ही यात्रा के पहले चरण की कारोबारी गतिविधियां भी बंद हो गई है जिससे धाम से सैकड़ों टेंट संचालक भी लौट आए हैं। दूसरी ओर, आठ हेली कंपनियों में से दो ही रह गई है।सोनप्रयाग में चहलपहल कम हो गई है। केदारनाथ में गढ़वाल मंडल विकास निगम के कर्मचारी गोपाल सिंह रौथाण ने बताया कि दस दिनों से यात्रियों की संख्या कम हो गई है। श्रीकेदार होटल एसोसिएशन के सचिव नितिन जमलोकी ने बताया कि रिकार्ड श्रद्धालुओं में पहुंचने के बाद भी उम्मीद के हिसाब से कारोबार नहीं चला।सरकार द्वारा बार-बार केदारनाथ के लिए पंजीकरण व्यवस्था पर रोक के चलते होटल कारोबारियों को रूटीन और एडवांस बुकिंग नहीं मिल पाई। टेंट कारोबार से जुटे विनोद राणा, संदीप भट्ट, पवन राणा, जगदीश राणा का कहना है कि लिनचोली से केदारनाथ तक टेंटों में कम ही यात्री ही ठहरे। बीते एक पखवाड़े में काफी टेंट संचालक धाम से लौट चुके हैं।

डीआईजी ने वाहन को धकेल कर निभाई सेवानिवृत्त कर्मियों के सम्मान की परम्परा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 1 जुलाई , पुलिस उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून दलीप सिंह कुंवर की उपस्थिति में पुलिस लाइन देहरादून में सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी/कर्मचारीगणों के सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। विदाई समारोह के दौरान अपने सम्बोधन में डीआईजी कुंवर ने सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी/कर्मचारीणों के सेवानिवृत्ति के पश्चात अच्छे स्वास्थय व दीर्घायु कि कामना करते हुए उन्हें शाल, स्मृति चिन्ह तथा उपहार देकर भावभीनी विदाई दी तथा अपेक्षा की कि भविष्य में भी पुलिस को उनके अनुभवों का लाभ व मार्ग दर्शन मिलता रहेगा।

आइये बताते हैं सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी/कर्मचारीगणों का परिचय क्या है -

1- दिनेश चन्द ढौंडियाल, पुलिस उपाधीक्षक जनपद देहरादून, सेवाकाल 38 वर्ष, 05 माह ,14 दिवस का रहा। सेवाकाल के दौरान इनके द्वारा पीलीभीत, बंदायू, बरेली, ऊधमसिंहनगर, नैनीताल, एसटीएफ उत्तराखण्ड देहरादून , ऊधमसिंहनगर, देहरादून में अपनी सेवाये प्रदान की। 2- विनोद सिंह कठैत ,अपर उपनिरीक्षक ना0पु0, सेवाकाल कुल 40 वर्ष ,11 माह, 29 दिवस का रहा। सेवाकाल के दौरान इनके द्वारा जनपद टिहरी गढ़वाल, हरिद्वार तथा देहरादून में अपनी सेवाये प्रदान की।3- सूर्यमणि उप्रेती ,अपर उपनिरीक्षक ना0पु0, सेवाकाल कुल 41 वर्ष, 05 माह, 29 दिवस का रहा । सेवाकाल के दौरान इनके द्वारा जनपद टिहरी गढ़वाल, उत्तरकाशी तथा देहरादून में अपनी सेवाये प्रदान की।4- जयपाल सिंह , अपर उपनिरीक्षक स0पु0, सेवाकाल कुल 14 वर्ष, 06 माह, 24 दिवस का रहा। सेवाकाल के दौरान इनके द्वारा जनपद पौड़ी गढवाल, टिहरी गढ़वाल, उत्तरकाशी तथा देहरादून में अपनी सेवाये प्रदान की गयी।5- वीर सिंह, अपर उपनिरीक्षक स0पु0, सेवाकाल कुल 38 वर्ष ,06 माह, 23 दिवस का रहा । सेवाकाल के दौरान इनके द्वारा जनपद टिहरी गढवाल , चमोली तथा देहरादून में अपनी सेवाये प्रदान की गयी।6- राजेन्द्र सिंह ,अपर उपनिरीक्षक ना0पु0, सेवाकाल कुल 40 वर्ष ,11 माह,29 दिवस का रहा। सेवाकाल के दौरान इनके द्वारा जनपद पौड़ी गढवाल, चमोली, देहरादून, टिहरी गढ़वाल, हरिद्वार तथा देहरादून में अपनी सेवाये प्रदान की गयी।7- नागेश चन्द्र बमराड़ा ,मुख्य आरक्षी स0पु0, सेवाकाल कुल 14 वर्ष ,06 माह, 24 दिवस का रहा । सेवाकाल के दौरान इनके द्वारा जनपद देहरादून, हरिद्वार तथा देहरादून में अपनी सेवाये प्रदान की गयी।8- चयन सिंह भण्डारी ,मुख्य आरक्षी सा0पु0, सेवाकाल कुल 14 वर्ष ,06 माह, 24 दिवस का रहा । सेवाकाल के दौरान इनके द्वारा जनपद देहरादून, हरिद्वार तथा देहरादून में अपनी सेवाये प्रदान की गयी।9- रुकमणी देवी , (कुक) सेवाकाल कुल 24 वर्ष ,10 माह ,05 दिवस सेवाकाल के दौरान इनके द्वारा जनपद देहरादून में अपनी सेवा प्रदान की गयी।

विदाई समारोह में अक्षय कोंडे, (पुलिस अधीक्षक यातायात), कमलेश उपाध्याय (पुलिस अधीक्षक ग्रामीण), पंकज गैरोला (क्षेत्राधिकारी सदर), अनुज (क्षेत्राधिकारी यातायात), नीरज सेमवाल (क्षेत्राधिकारी नगर) तथा जगदीश चन्द्र पंत, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन, सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों के परिजनों के अतिरिक्त पुलिस परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

शानदार IAS सुशील कुमार का बेहतरीन कार्यकाल पूरा, याद रखेगा उत्तराखंड

- ‘आयुक्त गढ़वाल मण्डल सुशील कुमार हुए सेवानिवृत्त‘‘
- ‘‘‘28 वर्ष की बेदाग, कुशल और अनुकरणीय सेवा देने के लिए जाने जायेगें सेवानिवृत्त लोकसेवक ‘‘
- ‘‘‘गौरवशाली सेवानिवृत्त क्षण के साक्षी बने मण्डलीय व जनपदीय स्तरीय कार्मिक और उपस्थित लोग‘‘

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी , 1 जुलाई , आयुक्त गढ़वाल मण्डल सुशील कुमार 28 वर्ष की लोक सेवक के रूप में सेवा पूर्ण करने के उपरांत सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्ती के अवसर पर अपने संबोधन में आयुक्त गढ़वाल मण्डल ने बताया कि उनका विभिन्न प्रशासनिक पदों पर कार्य करते हुए बहुत ही अच्छा अनुभव रहा। कहा कि उनको सभी जगह उच्चस्थ-अधीनस्थों का बेहतर सहयोग प्राप्त हुआ जिस कारण अपने लोकसेवक के कार्यकाल को पूर्ण करने के पश्चात् आज सुखद अनुभूति का अहसास हो रहा है। उन्होंने सभी अधिकारियों और कार्मिकों को विकास की मुख्यधारा से अभी तक वंचित लोगों को मुख्यधारा में लाने के लिए टीम भावना से कार्य करने का संदेश दिया।इस दौरान जिलाधिकारी पौड़ी डॉ0 आशीष चौहान ने अपने विचारों को व्यक्त करते हुए कहा गया कि किसी भी लोक सेवक को अपनी सेवा अवधि को साफ-सुथरी, बेदाग, विनम्रता और कुशलता के साथ पूर्ण करने से सर्वाधिक सुखद अहसास होता है। उन्होंने कहा कि आयुक्त महोदय सभी के लिए प्रेरणा स्त्रोत रहे तथा उन्होंने प्रशासनिक दक्षता का जो परिचय दिया वह अनुकरणीय है।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे ने आयुक्त को सेवानिवृत्ति की शुभकामनाएं देते हुए प्रशासनिक क्षेत्र में उनके द्वारा किये गये बेहतर कार्यों से प्रेरणा लेने की बात कही।मुख्य विकास अधिकारी अपूर्वा पाण्डे ने आयुक्त महोदय द्वारा टीम भावना से कार्य करने के दिये गये संदेश को आत्मसात करते हुए कार्य करने की बात कही ।इस दौरान अपर आयुक्त गढ़वाल मण्डल एन.एस. क्वीराल ने अपने शब्दों में आयुक्त के सेवानिवृत्ति सम्मान पत्र को पढ़कर सुनाया तथा आयुक्त को एक आदर्श प्रशासक बताते हुए उनसे बहुत कुछ सीखने और प्रेरणा लेने की बात कही। इस दौरान सेवानिवृत्त विदाई सम्मान कार्यक्रम का स्वागत-समापन संबोधन जिला सूचना अधिकारी पौड़ी वीरेन्द्र सिंह राणा द्वारा किया गया।आपको बताते चलें की उन्होंने बहुत ही कुशलता, दक्षता और कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपनी सेवा अवधि पूर्ण की है। उन्होंने अपने कैरियर की शुरूआत शॉर्ट सर्विस कमिशन के माध्यम से भारतीय सेना से की ओर कैप्टन के पद को सुशोभित किया। उसके उपरांत वे उत्तर प्रदेश सिविल सर्विसेज परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद उत्तर प्रदेश प्रादेशिक सेवा में आये तथा उनकी प्रथम नियुक्ति 30 जनवरी 1995 में बतौर डिप्टी कलेक्टर के रूप में हापुड़, गाजियाबाद में हुई। इसके पश्चात वे विभिन्न जनपदों में प्रशासनिक सेवा में कार्यरत रहे। उन्होंने सन् 2000 में सहारनपुर में उप जिला मजिस्ट्रेट के पद पर कार्यरत रहने के उपरांत उत्तराखंड राज्य सेवा हेतु चुना। इसके उपरांत उत्तराखंड में भी विभिन्न जनपदों में प्रशासनिक

पद पर कार्यरत रहे। जिनमें देहरादून व हरिद्वार जनपदों में मुख्य विकास अधिकारी तथा सचिव हरिद्वार रूड़की विकास प्राधिकरण व सचिव एमडीडीए पद पर कार्यरत होने के उपरांत इनको वर्ष 2005 में भारतीय प्रशासनिक सेवा आई0ए0एस0 कैडर प्राप्त हुआ। जिसके उपरांत वे दिनांक 19 जनवरी 2015 से दिनांक 03 नवम्बर 2015 तक बतौर जिलाधिकारी पिथौरागढ़ और दिनांक 19 अप्रैल 2017 से दिनांक 1 जनवरी 2019 तक जिलाधिकारी पौड़ी के पद पर कार्यरत रहे। इसके उपरांत वे आयुक्त आबकारी तथा सचिव खाद्य व सचिव राजस्व उत्तराखंड शासन में कार्यरत रहे। वर्ष 2021 में दिनांक 17 जुलाई 2021 से 2 दिसम्बर 2021 तक बतौर कुमांऊ कमिश्नर के पद पर कार्यरत रहे। इसके बाद आज दिनांक 30 जून 2023 तक आयुक्त गढ़वाल मंडल के पद पर सुशोभित रहे हैं। इस प्रकार आयुक्त सुशील कुमार ने अपने कार्यकाल में बहुत ही दक्षता और निपुणता के साथ प्रशासनिक कार्यो का संपादन किया। इनके अनुभवों से अधीनस्थ अधिकारियों व कर्मचारियों को काफी कुछ सीखने की प्रेरणा

मिली। 30 जून, 2023 को उनकी सेवानिवृत्ति के अवसर पर आयुक्तालय परिवार एवं गढ़वाल मण्डल के समस्त मण्डलीय अधिकारी व कार्मिकों द्वारा सेवानिवृत्ति की बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गयी।इस अवसर पर वन संरक्षक गढ़वाल मण्डल पंकज कुमार, मण्डलीय अर्थ एवं संख्याधिकारी शिल्पा भाटिया, अपर निदेशक कृषि डॉ0 परमाराम, अपर निदेशक उद्यान रतन कुमार, मण्डलीय अपर अर्थ एवं संख्याधिकारी अरविन्द मिश्रा सहित वैयक्तिक सहायक जिलाधिकारी दीपक नेगी आदि ने आयुक्त महोदय को सौम्य, विनम्र, कर्मठ और प्रेरणास्त्रोत बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।इस दौरान क्षेत्राधिकारी पुलिस श्याम दत्त नौटियाल सहित मण्डलीय व जनपदीय अधिकारी, कार्मिक सहित मीडियाकर्मी उपस्थित थे।